नई दिल्ली ■ सोमवार 30 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 14 ■ अंक 01 ■ पृष्ठ 08


J B T

# जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 दहेज़ नहीं लिया... या बस नाम... | 07 भारतीय मुक्केबाजों की नजरें एशियाई चैम्पियनशिप में मजबूत शुरूआत पर | कंगना रनौत ने दिया फैंस को जिंदगी जीने का मूलमंत्र 08

# हम केरल में सरकार बनाएंगेः मोदी

## सरकार का प्रयास है कि प. एशिया में जारी युद्ध का भारत पर कम प्रभाव पड़ेः मोदी

**पलक्कड़ (केरल)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का भारत पर कम से कम प्रभाव पड़े। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर ''राजनीतिक फायदे'' के लिए भारतीयों के जीवन को खतरे में डालने वाली ''खतरनाक'' टिप्पणियां करने का आरोप लगाया।

मोदी ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि केरल के कई लोग संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में काम कर रहे हैं और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ''इस समय सभी का ध्यान पश्चिम एशिया में जारी युद्ध पर केंद्रित है। हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है कि भारत पर इसका कम से कम प्रभाव पड़े।'' जारी राजनयिक प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए मोदी ने कहा, ''युद्ध की शुरुआत से ही मैं इन सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ लगातार संपर्क में हूं। सभी राष्ट्र संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि विदेशों में भारतीय दूतावास अपने नागरिकों की सहायता के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। मोदी ने कहा, ''वहां हमारे भाइयों और बहनों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय दूतावास भी दिन-रात काम कर रहे हैं। भाजपा-राजग सरकार के लिए भारतीयों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।'' कांग्रेस पर निशाना बनाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''आपको यह भी याद रखना चाहिए कि कांग्रेस इस संवेदनशील मुद्दे पर किस तरह के बयान दे रही है - वे खतरनाक हैं। कांग्रेस खाड़ी देशों में रहने वाले लगभग एक करोड़ भारतीयों की जान खतरे में डालना चाहती है, ताकि वह इससे राजनीतिक फायदा उठा सके।

## पीएम मोदी ने केरल के त्रिशूर में रोड शो किया

**त्रिशूर (केरल)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान के तहत रविवार को यहां एक रोड शो किया। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में लोग उनकी एक झलक पाने के लिए सड़कों पर कतार में खड़े थे। रोड शो की शुरुआत जिला अस्पताल के निकट हुई। भीषण गर्मी की परवाह किये बिना, लोग कई घंटे पहले सड़क के किनारे एकत्र हो गए थे और नारे लगा रहे थे और अपने मोबाइल फोन से उन पलों की फोटो खींच रहे थे जब प्रधानमंत्री ने एक खुले वाहन से उनका अभिवादन किया। त्रिशूर जिले में राजग के प्रमुख उम्मीदवारों पद्मजा वेणुगोपाल और लोकसभा में त्रिशूर का प्रतिनिधित्व करने वाले केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने रोड शो में हिस्सा लिया। इससे पहले, मोदी कुट्टानेल्लूर हेलीपैड पर पहुंचे, जहां भाजपा-राजग के नेताओं ने उनका स्वागत किया।

# असम में भाजपा लगाएगी हैट्रिक, लगातार तीसरी बार सत्ता में आएगी : नितिन नवीन

**तिनसुकिया (असम)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को दावा किया कि पार्टी असम में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर 'हैट्रिक' लगाएगी। मार्गेरिटा से उम्मीदवार एवं मौजूदा विधायक भास्कर शर्मा के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए नवीन ने पिछली कांग्रेस सरकारों पर राज्य के विकास के बजाय ''वोट बैंक की राजनीति'' में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा हैट्रिक लगाने वाली है।

## कांग्रेस ने अपनी नीतियों से राज्य में अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया : अमित शाह

**शोणितपुर (असम)।** असम के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शोणितपुर में एक जनसभा के दौरान कांग्रेस पर अपना हमला और तेज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पार्टी ने ऐतिहासिक रूप से अपनी नीतियों के जरिए राज्य में अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया है और अब केंद्र सरकार द्वारा उठाए जा रहे सुधारात्मक कदमों का विरोध कर रही है।

## नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ओली को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

**काठमांडू।** नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को रविवार को काठमांडू जिला न्यायालय ने पांच दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं, उनकी गिरफ्तारी के विरोध में देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन जारी हैं। ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को पिछले साल आठ और नौ सितंबर को हुए 'जेन-जेड' आंदोलन को दबाने में कथित संलिप्तता के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। प्रदर्शनों के दौरान कुल 76 लोग मारे गए थे। नवगठित बालेंद्र शाह सरकार द्वारा अपनी कैबिनेट की पहली बैठक में 'जेन जेड' के विरोध प्रदर्शनों की जांच आयोग की रिपोर्ट को लागू करने का निर्णय लेने के एक दिन बाद दोनों नेताओं की गिरफ्तारी की गई। पुलिस ने लेखक को हत्या की घटनाओं में कथित संलिप्तता की जांच के लिए उनकी दस दिनों की हिरासत का अनुरोध करते हुए जिला अदालत में पेश किया। उन्हें पांच दिनों के लिए हिरासत में भेज दिया गया। जिला अदालत के सूचना अधिकारी दीपक कुमार श्रेष्ठ के मुताबिक खराब स्वास्थ्य के कारण पूर्व प्रधानमंत्री ओली को ऑनलाइन माध्यम से अदालत में पेश किया गया। ओली को गिरफ्तारी के बाद शनिवार को स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सेहत बिगड़ गई।

## तमिलनाडु चुनावः टीवीके उम्मीदवारों की सूची जारी

### विजय पेरम्बूर और त्रिची पूर्व से चुनाव लड़ेंगे

**चेन्नई।** टीवीके प्रमुख विजय ने घोषणा की कि वह 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में दो विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ेंगे। विजय और उनकी पार्टी का यह पहला चुनावी प्रयास होगा। विजय का पूरा नाम ''सी जोसेफ विजय'' है। उन्होंने कहा कि चेन्नई के पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व से वह पार्टी के उम्मीदवार होंगे। यहां पार्टी पदाधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने अन्य सीट के लिए भी उम्मीदवारों के नाम बताए जिसमें उनकी कोर टीम के सभी प्रमुख सदस्यों को सूची में जगह मिली। राज्य में विधानसभा की 234 सीट के लिए चुनाव 23 अप्रैल को होंगे। पार्टी प्रमुख विजय ने वरिष्ठ पार्टी नेताओं और अपनी आतंरिक टीम के सदस्यों - एन आनंद, आधव अर्जुन, आर अरुणराज, सीटीआर निर्मल कुमार और के. ए. सेंग्कोट्टैयान को टी. नगर, विल्लीवाक्कम, गोबिचेट्टीपलयम और तिरुप्परनकुंड्रम सहित अन्य सीट के लिए तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के उम्मीदवारों के रूप में नामित किया है। विजय ने एक बार फिर दोहराया कि चुनावी लड़ाई ''टीवीके के जन गठबंधन और स्टालिन सर के गठबंधन'' के बीच है और राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन को महज ''जोड़ तोड़'' बताया। उन्होंने कहा, ''मैंने ऐसे उम्मीदवारों को चुना है जो जनता के साथ खड़े रहेंगे।''

# हमारी लड़ाई असमानता के खिलाफ है: अखिलेश यादव

नोएडा। समाजवादी पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को दादरी स्थित मिहिर भोज डिग्री कॉलेज में आयोजित 'भाईचारा रैली' को संबोधित करते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में है, तब तक देश का संविधान खतरे में रहेगा। अखिलेश यादव ने भीमराव अंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने देश को ऐसा मजबूत संविधान दिया है, जो किसी भी हथियार से ज्यादा ताकतवर है, लेकिन भाजपा को इस संविधान पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में "5 प्रतिशत लोग 95 प्रतिशत जनता का शोषण कर रहे हैं" और उनकी लड़ाई इसी असमानता के खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि समाज में भेदभाव और उत्पीड़न झेलने वाले लोगों का दर्द वही समझ सकता है, जिसने इसे महसूस किया हो। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सत्ता से हटने के बाद उनके घर को गंगाजल से धुलवाने और मंदिर जाने के बाद मंदिर धुलवाने जैसी घटनाओं ने उन्हें गहरा आघात पहुंचाया। सपा प्रमुख ने 'पीडीए समाज' (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि अब सामाजिक न्याय का समय है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी को मिटाने का नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का है। उन्होंने कहा कि समाज में दो तरह के लोग होते हैं—एक शोषण करने वाले और दूसरे शोषित। उनका लक्ष्य शोषित वर्ग को उनका अधिकार और सम्मान दिलाना है। अखिलेश

यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की रैलियों में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया जाता है।

उन्होंने हाल ही में जेवर में हुई रैली का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि छात्रों और सरकारी कर्मचारियों को वहां जबरन बुलाया गया। उन्होंने कहा कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा के विकास में समाजवादी सरकार का बड़ा योगदान रहा है। दिल्ली से नोएडा और ग्रेटर नोएडा को जोड़ने वाली मेट्रो परियोजनाएं सपा सरकार में ही शुरू हुई थीं। सपा इस रैली को 2027 विधानसभा चुनाव की औपचारिक शुरुआत मान रही है। रैली संयोजक राजकुमार भाटी के अनुसार, इस आयोजन के जरिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 32 जिलों और करीब 140 विधानसभा सीटों को साधने की रणनीति बनाई गई है। पार्टी की नजर खासतौर पर जाट और गुर्जर समुदाय पर है, जो क्षेत्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। सपा नेताओं का दावा है कि 2012 की तरह इस बार भी दादरी से शुरू हुआ अभियान पार्टी को सत्ता तक पहुंचाएगा।

रैली में जाने से पूर्व उन्होंने गुर्जर सम्राट मिहिर भोज की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। रैली में विधानसभा अध्यक्ष माता प्रसाद पांडे, सांसद इकरा हसन, हरेंद्र मलिक, धर्मेंद्र यादव, रामजीलाल सुमन, विधायक अतुल प्रधान, पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, जावेद अल्वी, सपा के बरिष्ठ नेता वीर सिंह यादव, डॉक्टर महेंद्र नागर सहित सपा के कई वरिष्ठ नेता ,पदाधिकारी मौजूद थे। रैली के संयोजक राजकुमार भाटी के अनुसार रैली में करीब 50 हजार से ज्यादा लोगों ने भाग लिया है। समाजवादी पार्टी की रैली के चलते करीब 4 किलोमीटर दूर तक दादरी में जाम की स्थिति बनी रही। आलम यह था कि काफी कार्यकर्ता रैली स्थल तक भी नहीं पहुंच पाए।

मंच का संचालन प्रदीप भाटी ने किया। वहीं, सपा नेता सुधीर चौहान ने बताया कि वर्ष 2012 में अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सपा के अध्यक्ष रहते हुए नोएडा से चुनावी बिगुल फुक था, तथा वह भारी बहुमत से सत्ता में आए थे। उन्होंने कहा कि इस बार भी यहां से सपा ने अपना चुनावी अभियान शुरू किया है, तथा 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आएगी।

# तिगरी में जल्द बनेगा वेंडिंग जोन, 60 रेहड़ी-पटरी वालों को मिलेगा स्थान

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेटर नोएडा वेस्ट के तिगरी क्षेत्र में अव्यवस्थित रेहड़ी-पटरी को व्यवस्थित करने के लिए वेंडिंग जोन बनाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। प्राधिकरण के परियोजना विभाग ने सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इस योजना के तहत मौजूदा 60 ठेली-पटरी विक्रेताओं को निर्धारित स्थान आवंटित किया जाएगा। तिगरी इलाके में चारमूर्ति से विजयनगर जाने वाली मुख्य सड़क के किनारे अनियमित ढंग से लगने वाली रेहड़ी-पटरी के कारण अक्सर जाम और अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है। साथ ही, सर्विस रोड के पास प्राधिकरण की खाली जमीन पर अतिक्रमण की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। इन समस्याओं को देखते हुए वेंडिंग जोन विकसित करने का निर्णय लिया गया है। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर ने बताया कि चिह्नित स्थान पर 60 प्लेटफॉर्म तैयार किए जाएंगे और सभी आवश्यक

औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल अतिक्रमण पर रोक लगेगी, बल्कि यातायात व्यवस्था भी सुचारु होगी। इसके अलावा, डीएससी मार्ग स्थित कुलेसरा क्षेत्र में भी वेंडिंग जोन विकसित करने की योजना पर विचार किया जा रहा है। यहां निर्माणाधीन आरसीसी नाले के ऊपर 40 से 50 फुटपाथ विक्रेताओं को स्थान देने की योजना है, जिससे साफ-सफाई और जल निकासी व्यवस्था में सुधार होगा। प्राधिकरण के अनुसार, सेक्टर अल्फा-2, बीटा-2 और सेक्टर-36 में पहले से बनाए गए वेंडिंग जोन में 20 लोगों को प्लेटफॉर्म आवंटित किए जा चुके हैं। शहर के विभिन्न सेक्टरों—अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा, पाई और ओमीक्रॉन क्षेत्रों में कुल 769 प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया कि शहर में पार्किंग और वेंडिंग जोन की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस दिशा में लगातार काम किया जा रहा है, जिससे बाजारों में जाम और अव्यवस्था की समस्या को कम किया जा सके।

## भव्य कलशयात्रा के साथ श्री राम कथा का शुभारंभ हुआ

**नोएडा।** सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा का विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ हुआ। बैंड बाजे व ढोल नगाड़ों साथ महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर पूरे सेक्टर में कलश यात्रा निकाली। शोभा यात्रा में आगे आगे घोड़े फिर बैंड बाजा इसके बाद कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज का रथ उसके पीछे कलश धारण किए महिलाएं एवं भक्तजन और भगवान राम, सीता , लक्ष्मण, हनुमान जी की शोभायात्रा को शोभायमान कर रहे थे। बैंड बाजों की थाप पर थिरकते श्रद्धालुओं के जय श्रीराम के उद्घोष ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कलश यात्रा पूरे सेक्टर 82 एवं 93 में घूमती हुई पुनः कथा स्थल पहुंची इस दौरान जगह फूलों से कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया और जलपान की भी व्यवस्था की गई। कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानन्द महाराज ने राम कथा का महात्म्य बताते हुए कहा कि जन्म जन्मांतर के पुण्यों के अभ्युदय होने पर हमें राम कथा रूपी अमृत पान करने का शुभ अवसर प्राप्त होता है।

## बेरोजगारी से तंग एमबीए छात्र ने की आत्महत्या

**नोएडा।** थाना सेक्टर 20 क्षेत्र के सेक्टर 27 की एक पीजी में रहने वाले एमबीए पास युवक ने बेरोजगारी से तंग होकर अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। वह मूल रूप से जनपद बरेली के रहने वाले थे। थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि पार्थ गौतम पुत्र धरणीधर गौतम उम्र 23 वर्ष निवासी जनपद बरेली नोएडा के सेक्टर 27 से स्थित एक पीजी में रहते थे। वह एमबीए पास थे, तथा नौकरी की तलाश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नौकरी नहीं मिलने से वह अवसाद में थे। बीती रात को उन्होंने अपनी पीजी में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना बिसरख क्षेत्र में रहने वाले अर्पित निवासी पंचशील ग्रीन सोसायटी उम्र 26 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के बहलोलपुर गांव में रहने वाले सोनू उर्फ रजनीकांत उम्र 32 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना प्रभारी अमित काकरान ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

## FNG मार्ग के किनारे हरियाली बढ़ेगी

**नोएडा।** फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) मार्ग भले ही अधूरा पड़ा हो, लेकिन इसके किनारे हरियाली विकसित करने की तैयारी प्राधिकरण ने शुरू कर दी है। यहां पौधरोपण करने के साथ कुछ पार्कों में गजीबो हट भी बनाई जाएगी। इसके लिए प्राधिकरण ने टेंडर जारी कर दिया है। इसके लिए एजेंसियों से 9 अप्रैल तक आवेदन मांगे हैं।

प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि पर्थला गोलचक्कर से सेक्टर-115 के सामने तक हरियाली बढ़ाने की तैयारी है। यहां पर नोएडा प्राधिकरण पौधरोपण करवाने जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि पौधे 1 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत से लगवाए जाएंगे। यह काम किसी निजी एजेंसी से करवाया जाएगा। इसके लिए एजेंसी चयन को प्राधिकरण के उद्यान विभाग ने टेंडर जारी कर दिया है। चुनी जाने वाली एजेंसी को एक साल तक देखरेख भी करनी होगी। अधिकारियों ने बताया कि एफएनजी के अलावा सेक्टर-15 ए, 54 व सेक्टर-130 के पार्कों में गजीबो हट बनाने की तैयारी में है।

इसमें 97 लाख 65 हजार रुपये की लागत आएगी। उद्यान विभाग के निदेशक आनंद मोहन सिंह ने बताया कि सेक्टर-15 ए, 54 खरगोस पार्क में 76 लाख 58 हजार 246 रुपये की लागत से गजीबो हट बनवाई जाएंगी। सेक्टर- 130 के विभिन्न पार्क में 21 लाख 07 हजार रुपये की लागत से गजीबो हट बनवाई जाएंगी। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

# मुर्गा फार्म हाउस के मालिक की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के थाना जारचा क्षेत्र के खटाना गांव के एक मुर्गा फार्म हाउस के मालिक की लोहे के पाइप से हमला कर हत्या के मामले में पुलिस ने हत्यारोपी मुख्य अभियुक्त व उसके साथी को गिरफ्तार कर में प्रयुक्त लोहे की रॉड/पाईप व चाकू बरामद किया है। इसके अलावा इसी थाने की पुलिस ने अवैध शस्त्र के साथ 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

थाना जारचा के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि खटाना गांव में स्थित एक मुर्गा फार्म हाउस के मालिक प्रशांत सिंह उम्र 33 वर्ष को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सिर में चोट मार कर हत्या कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि थाना जारचा पुलिस द्वारा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से मात्र 24 घंटे के अंदर हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए

हत्यारोपी मुख्य अभियुक्त यशवीर उर्फ सूखा पुत्र तेजपाल सिंह तथा हरदम पुत्र नौबत को थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लोहे की रॉड/पाईप व चाकू बरामद किया गया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला है कि मुख्य अभियुक्त यशवीर उर्फ सूखा पूर्व में मृतक प्रशांत सिंह के यहां लगभग दो माह तक कार्य करता था। इस दौरान मृतक द्वारा शराब के नशे में अक्सर यशवीर के साथ गाली-गलौज व मारपीट की जाती थी। 27/28 मार्च 12026 को भी मृतक द्वारा अत्यधिक शराब के सेवन के बाद यशवीर के साथ दुर्व्यवहार किया गया, जिससे आक्रोशित होकर यशवीर ने घर में रखी लोहे की पाइप से मृतक के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। सह-अभियुक्त हरदम द्वारा घटना की जानकारी होने के बावजूद इसे छिपाता रहा तथा मुख्य अभियुक्त के साथ मिलकर अपराध में सहयोग किया गया। थाना जारचा के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि इसके अलावा चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कार से अवैध शस्त्र के साथ 4 अभियुक्त धर्मेंद्र पुत्र विनोद, कुणाल पुत्र संजीव, राहुल पुत्र सूरज तथा विशाल पुत्र स्व. विजय को खुर्शीदपुरा नहर पटरी से गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से 1 पिस्टल 2 मैगजीन, 19 कारतूस बरामद हुए हैं।

## मॉडिफाई बुलेट की साइलेंसर से पटाखों की आवाज निकाल रहे दो गिरफ्तार

**नोएडा।** ग्रेटर नोएडा वेस्ट की सड़कों पर मॉडिफाई बुलेट बाइक पर सवार होकर स्टंटबाजी के साथ ही उसके साइलेंसर से पटाखों जैसी तेज आवाजें निकाल कर लोगों को परेशान कर रहे दो युवकों को थाना बिसरख पुलिस ने गिरफ्तार कर बाइक सीज कर दिया है। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शनिवार रात को थाना पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि पंचशील ग्रीन-1 सोसायटी के बाहर दो लड़के एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर साइलेंसर के माध्यम से पटाखे की तरह आवाज निकालकर शोर मचा रहे हैं। वहींस्थानीय लोगों के मुताबिक, इन युवकों ने अपने चेहरे पर नकाब बांध रखा था और मोटरसाइकिल पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। उन्होंने बताया कि थाना बिसरख पुलिस को जैसे ही इस हुड़दंग की सूचना को मिली, पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस ने दोनों लड़कों की पहचान कर यातायात नियमों का उल्लंघन और शांति भंग करने वाली धाराओं में गिरफ्तार कर उनकी मॉडिफाई बुलेट बाइक को भी नियमानुसार सीज कर दिया है।

## बीटेक की छात्रा ने 28वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश के नोयडा में थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के सेक्टर 32 स्थित एक सोसाइटीज में रहने वाली 21 वर्षीय बीटेक की छात्रा ने रविवार सुबह को 28वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली ।

घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना सेक्टर-24 के प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि अर्पिता(21) पुत्री संजय निवासी डी- ब्लॉक सेक्टर 32 अमौर सोसायटी ने आज सुबह को अपने फ्लैट के 28 वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि वह मूल रूप से ग्राम मंडेरवा थाना मंडेरवा जिला बस्ती उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी।

उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि युवती के पिता मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी पंजाब के एक यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रही थी। वह कुछ दिनों से मानसिक तनाव में थी। पुलिस आत्महत्या के कारण का पता लगा रही है। उन्होंने बताया कि शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

# यूपी में विकास अब घोषणा नहीं बल्कि परिणाम है, जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बना सबसे जीवंत उदाहरण

**लखनऊ।** सीएम योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से वर्ष 2017 के बाद विकास की जो कहानी लिखी गई, वह अब केवल योजनाओं तक सीमित न रहकर, ज़मीन पर दिखने वाले परिणामों में बदल चुकी है। उत्तर प्रदेश में 'डबल इंजन' सरकार ने बड़े प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास ही नहीं किया, बल्कि तय समय में उनका उद्घाटन कर यह साबित किया कि यूपी में विकास अब घोषणा नहीं, बल्कि परिणाम है। इसका सबसे जीवंत उदाहरण जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन साबित हुआ। इस परियोजना का शिलान्यास 25 नवंबर 2021 को हुआ था और एयरपोर्ट के पहले फेज का उद्घाटन 28 मार्च 2026 को किया गया। यूपी का पांचवां इंटरनेशनल एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर के बढ़ते हवाई यातायात का दबाव कम करने के साथ पश्चिमी यूपी की विकास यात्रा को नए पंख प्रदान करेगा।

**जेवर और अयोध्या में रिकॉर्ड समय में बना इंटरनेशनल एयरपोर्ट**

राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के सफल क्रियान्वयन से आज उत्तर प्रदेश केवल घोषणाओं का नहीं, बल्कि धरातल पर उतरने वाली विकास परियोजनाओं का राज्य बन चुका है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर इसका एकमात्र उदाहरण नहीं है। एविएशन क्षेत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नौ वर्षों के शासनकाल में अयोध्या में फरवरी 2022 से बनना शुरू हुआ महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा रिकॉर्ड समय में बनकर तैयार हुआ। 30 दिसंबर 2023 में उद्घाटन के बाद इस एयरपोर्ट ने अयोध्या को वैश्विक धार्मिक पर्यटन के नक्शे पर मजबूती से स्थापित किया। वहीं, प्रदेश के एविएशन सेक्टर में 10 मार्च 2024 की तारीख भी अहम रही, जब एक साथ आजमगढ़, अलीगढ़, चित्रकूट, मुरादाबाद और श्रावस्ती के हवाई अड्डों का उद्घाटन किया गया। इससे प्रदेश की क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई रफ्तार मिली है।

**पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की मिला सौगात**

सड़क नेटवर्क और कनेक्टिविटी की बात करें तो सीएम योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 14 जुलाई 2018 को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का शिलान्यास हुआ और 16 नवंबर 2021 को इसका उद्घाटन किया गया। इसी क्रम में बुंदेलखंड जैसे पिछड़े क्षेत्र में आर्थिक बदलाव की नई उम्मीद साबित हुआ। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे की आधारशिला फरवरी 2020 में रखी गई थी और जुलाई 2022 में इसे जनता को समर्पित किया गया।

**देश की पहली रैपिड रेल, दिल्ली-मेरठ का हुआ शुभारंभ**

प्रदेश में रैपिड रेल और मेट्रो परियोजनाओं की बात करें तो देश की पहली रैपिड रेल नमो भारत, दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस का शिलान्यास 8 मार्च 2019 को हुआ था। इसके पहले खंड का शुभारंभ 2023 में ही हो गया था, जबकि फरवरी 2026 तक यह पूरी तरह संचालित होने लगी है। इसी क्रम में 7 दिसंबर 2020 को आगरा मेट्रो की नींव रखी गई और मार्च 2024 में इसका उद्घाटन हुआ। वहीं, 22 फरवरी 2026 को मेरठ मेट्रो का शुभारंभ हुआ, जिसने शहरी परिवहन को नई पहचान दी।

**यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर में बन रही है ब्रह्मोस मिसाइल**

औद्योगिक और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करते हुए वर्ष 2019 में यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) की नींव रखी गई और वर्ष 2023 से इसका संचालन शुरू हो गया। इसके तहत कानपुर में दक्षिण एशिया के सबसे बड़े गोला-बारूद और मिसाइल संयंत्र अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस में फरवरी 2024 से उत्पादन कार्य शुरू हो चुका है। वहीं, प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल प्रोडक्शन यूनिट का उद्घाटन मई-जून 2025 में हुआ।

**योट्टा डेटा सेंटर और सैमसंग मोबाइल फैक्ट्री लाए आईटी क्रांति**

डिजिटल इंडिया के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में सहायक ग्रेटर नोएडा में संचालित हीरानंदानी ग्रुप का योट्टा डेटा सेंटर डिजिटल सेवाओं और क्लाउड स्टोरेज में एशिया के बड़े डेटा केंद्र के रूप में स्थापित हुआ है। इसका शिलान्यास वर्ष 2019 में किया गया था, जिसमें उत्पादन 2022 में शुरू हो गया था। इसी क्रम में जुलाई 2018 में नोएडा में सैमसंग मोबाइल फैक्ट्री के उद्घाटन से आज यूपी देश में मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में नंबर वन बन चुका है। यही नहीं, नोएडा, जेवर में जल्द ही सेमीकंडक्टर फैक्ट्री का उत्पादन शुरू होने वाला है, जो यूपी को सेमीकंडक्टर हब के रूप में नई पहचान प्रदान करेगा, साथ ही आईटी सेक्टर में निवेश और रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करेगा।

# पुलिस ने किया गांजे के अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, ओडिशा का सप्लायर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड (एएनएस) ने गांजे के अंतरराज्यीय सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है, जो कथित तौर पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में गांजे के अवैध वितरण में शामिल था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्य सप्लायर की गिरफ्तारी के साथ ही पूर्वी जिला पुलिस ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और ओडिशा में सक्रिय एक अंतर-राज्यीय नशीले पदार्थों के नेटवर्क को बड़ा झटका दिया है। पुलिस के अनुसार, 11 और 12 मार्च की दरमियानी रात को एक विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड की एक टीम ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान अकबर (उम्र 36) और फिरोज खान (उम्र 41) के रूप में हुई। ये दोनों ही उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के रहने वाले हैं। इन दोनों को तब रोका गया जब वे एक स्कूटी पर बैठे थे और उनके पास दो सफेद बैग थे।

सभी जरूरी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने बैगों की तलाशी ली और कुल 21 किलो 730 ग्राम गांजा बरामद किया, जिसे कानून के तहत 'व्यावसायिक मात्रा' की श्रेणी में रखा गया। इसके अलावा, फिरोज खान के कब्जे से लगभग 46 ग्राम स्मैक भी बरामद की गई। इस बरामदगी के बाद, दिल्ली के कल्याणपुरी पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत एक मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

पूछताछ के दौरान फिरोज खान ने खुलासा किया कि वह ओडिशा के कंधमाल जिले के रहने वाले आकाश कुमार दिगल नामक एक सप्लायर से गांजा खरीदता था और फिर उसे दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में छोटी-छोटी मात्रा में बेचता था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, "यह स्पष्ट था कि जब तक मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार नहीं कर लिया जाता, तब तक नशीले पदार्थों की आमद को रोकना संभव नहीं होगा।"

एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड के इंचार्ज इंस्पेक्टर अरुण कुमार के नेतृत्व में और एनसीपी ऑपरेशंस पवन कुमार की कड़ी निगरानी में एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड की एक खास टीम बनाई गई। जांचकर्ताओं ने पाया कि दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद, संदिग्ध सूत्र ने अपने सभी संपर्क नंबर बंद कर दिए थे। उसका पता कंधमाल जिले के एक दूरदराज के जंगली इलाके में मिला, जिससे यह ऑपरेशन और भी मुश्किल हो गया।

एंटी-नारकोटिक्स स्क्वाड टीम ने बड़े पैमाने पर तकनीकी विश्लेषण किया और ओडिशा के अलग-अलग जिलों में कई जगहों पर छापे मारे, साथ ही संदिग्ध की हरकतों पर लगातार नजर रखी। 26 मार्च को नई खुफिया जानकारी के आधार पर, टीम ने कंधमाल जिले से भुवनेश्वर तक थोड़ी दूर तक पीछा करने के बाद आकाश कुमार दिगल को सफलतापूर्वक पकड़ लिया।

कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपी को 28 मार्च को दिल्ली लाया गया। पुलिस ने बताया कि उसे इस मामले में औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया है और फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है, ताकि नशीले पदार्थों की सप्लाई चेन में आगे के संपर्कों का पता लगाया जा सके।

पूछताछ के दौरान, आरोपी ने बताया कि उसका गांव एक जंगली इलाके में है, जहां पहाड़ी इलाकों में गांजा अपने आप उगता है। उसने बताया कि मुश्किल रास्तों और घने जंगलों की वजह से कानून लागू करने वाली एजेंसियां उन इलाकों में नियमित जांच नहीं कर पाती थीं। उसने यह भी कबूल किया कि उसने बाजार में गांजे की भारी मांग को पहचाना और दिल्ली-एनसीआर में इसकी सप्लाई शुरू कर दी। करीब दो-तीन साल पहले, वह फिरोज खान के संपर्क में आया और बड़ी मात्रा में गांजे की सप्लाई करने लगा।

पुलिस ने बताया कि उसका मुख्य मकसद पैसे कमाना था, क्योंकि वह गांजे के अवैध व्यापार को जल्दी पैसे कमाने का एक आसान तरीका मानता था। माना जा रहा है कि वह एक संगठित अंतर-राज्यीय ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा है, जो पैसों के फायदे के लिए अवैध नशीले पदार्थों के व्यापार में शामिल है। फिलहाल, पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए आगे की जांच जारी है।

## ड्रग्स नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई, 4.5 करोड़ की नशीली दवाएं जब्त

नई दिल्ली। राजधानी में नशे के कारोबार पर करारा प्रहार करते हुए दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने एक संगठित ड्रग नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में करीब 4.5 करोड़ कीमत की साइकोट्रॉपिक दवाएं जब्त की हैं। मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि एक नाबालिग को भी पकड़ा गया है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने रविवार को बताया कि उत्तर पूर्वी दिल्ली क्षेत्र में ड्रग्स की खेप आने की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद इंस्पेक्टर प्रवीण राठी के नेतृत्व में टीम ने जौहरीपुर रोड पर जाल बिछाया। यहां बाइक सवार एक युवक को एक नाबालिग के साथ दबोचा गया। आरोपित की पहचान नितिन पाठक (20) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से 1.912 किलो अल्प्राजोलम की 11,900 गोलियां और 0.491 किलो ट्रामाडोल की 825 गोलियां बरामद हुईं। पूछताछ में मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने उप्र के भोपुरा स्थित एक मेडिकल स्टोर पर छापा मारकर संचालक प्रेम सिंह यादव (30) को गिरफ्तार किया। वहां से 1.218 किलो ट्रामाडोल कैप्सूल बरामद किए गए। जांच आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने 21 मार्च को लक्ष्मी नगर निवासी शालू कुमार (45) को गिरफ्तार किया। जिसके पास से 1.627 किलो अल्प्राजोलम की गोलियां मिलीं। इसके बाद 23 मार्च को संजय सिंह (36) को भी दबोचा गया, जो इस नेटवर्क में सप्लाई चेन का अहम हिस्सा था। आरोपी नितिन पाठक पहले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव रह चुका है, जिससे उसे दवाओं की मांग और सप्लाई की अच्छी जानकारी थी। वहीं, अन्य आरोपी भी मेडिकल स्टोर और दवा सप्लाई के काम से जुड़े रहे हैं। इस पूरे ऑपरेशन में कुल 3.539 किलो अल्प्राजोलम (करीब 3.5 करोड़) और 1.709 किलो ट्रामाडोल (करीब 1 करोड़) जब्त किया गया है।

## दिल्ली: 50 हजार का इनामी हथियार सप्लायर गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़े कुख्यात हथियार सप्लायर मोहम्मद इसरार उर्फ 'कट्टा' (52) को गिरफ्तार किया है। आरोपित पर 50 हजार का इनाम घोषित था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध सिंगल शॉट पिस्टल बरामद की है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने रविवार को बताया कि, इसरार उप्र के शामली का रहने वाला है और दिल्ली, हरियाणा व उप्र में सक्रिय संगठित अपराधियों को अवैध हथियार सप्लाई करता था। वह हत्या, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट समेत कई गंभीर मामलों में वांछित था। हरियाणा पुलिस ने भी उसके खिलाफ पांच हजार का इनाम घोषित कर रखा था। अदालत ने उसे पहले ही भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया था। पुलिस जांच में सामने आया कि एक अगस्त 2024 को एंटी-गैंगस्टर स्क्वॉड (एजीएस) ने रोहतक निवासी शूटर अंकित को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से तीन अत्याधुनिक पिस्टल, एक देशी कट्टा, 13 जिंदा कारतूस और एक चोरी की बाइक बरामद हुई थी। पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि ये हथियार इसरार ने ही सप्लाई किए थे। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी, लेकिन वह लगातार ठिकाने बदलकर गिरफ्तारी से बचता रहा।

पुलिस उपायुक्त के अनुसार हाल ही में क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि आरोपित दिल्ली-लोनी बॉर्डर के पास आने वाला है। इसके बाद इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाया और उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से एक अवैध पिस्टल भी बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक, इसरार पेशे से बढ़ई है और आर्थिक तंगी के चलते अपराध की दुनिया में आया। उसने कैराना इलाके में अवैध हथियार बनाने की यूनिट भी चला रखी थी, जिसे कुछ समय पहले पुलिस ने ध्वस्त किया था।

## कांग्रेस ने सरकार से कानून व्यवस्था सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग रखी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि हर दिन हत्या, लूटमारी, किडनेपिंग, गैंगस्टर का बढ़ती घटनाओं, नशे के कारोबार और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के कारण दिल्ली में कानून व्यवस्था चिंताजनक है। उन्होंने मांग की कि दिल्ली में बढ़ते अपराधों को देखते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तुरंत केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ बैठक कर दिल्ली के हालात को सुधारने के लिए कोई ठोस कदम उठाएं।

देवेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की गद्दी संभालते ही पिछले साल केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात कर दिल्ली की कानून व्यवस्था को दुरस्त करने की बात कही थी, लेकिन अपराध कम होने की बजाय लगातार बढ़ रहे है, जिसको पुलिस आयुक्त भी स्वीकारते है जिसके कारण उन्होंने पुलिस कर्मियों की छुट्टियां तक रद्द करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 2026 में जनवरी, फरवरी और मार्च के 15 दिनों में दिल्ली से लगभग 800 लोग गायब हुए है, जिसमें से दो तिहाई महिलाएं और लड़किया है। बढ़ती गुमशुदा लोगों की संख्या पर उच्च न्यायालय ने भी चिंता व्यक्त की है, परंतु पुलिस इस संकट का हल निकालने में नाकाम हो रही है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि हांलांकि मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत 2026-27 के दिल्ली बजट में सामाजिक कल्याण क्षेत्र के लिए कुल 10,537 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ सामाजिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसमें महिलाओं और बाल विकास के लिए 7,406 करोड़ रुपये का समर्पित वित्त पोषण शामिल है, साथ ही अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण वित्त पोषण भी शामिल है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था और नशे पर लगाम लगाने में पूरी तरह फेल साबित हुई है और दिन प्रतिदिन बढ़ते अपराध और नशे की खुले आम बिक्री से दिल्ली के लोग खौफ के साए में जीवन जीने को मजबूर है।

देवेंद्र यादव ने कहा कि मार्च में उत्तम नगर में होली के दिन 26 वर्षीय तरुण कुमार की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। ईद के दिन भजनपुरा में एक युवक की चाकू मारकर हत्या, फरवरी, 2026 में रोहिणी जेल से रिहा युवक साहिल की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी, बवाना इंडस्ट्रियल एरिया में 35 वर्षीय व्यवसायी की उसकी फेक्ट्री के बाहर हमलावरों ने गोली मारकर हत्या, और फरवरी में नंद नगरी में 35 वर्षीय व्यक्ति की गोली मारकर हत्या जैसी जघन्य घटनाएं दर्शाती है कि दिल्ली में कानून व्यवस्था पूरी तरह तरह चरमरा चुकी है।

## पूर्वी ज़िला पुलिस की सराहनीय पहल

### वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित हुआ भव्य त्रैमासिक सम्मेलन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्वी ज़िला पुलिस द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण को समर्पित एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डीसीपी कार्यालय परिसर, मंडावली में त्रैमासिक बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व डीसीपी ईस्ट ज़िला राजीव कुमार ने किया, जिसमें 100 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम में सभी उप-मंडलों के एसीपी सहित अन्य पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति ने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति पुलिस की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता को दर्शाया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया, साथ ही सुरक्षा, संरक्षण और साइबर अपराध से बचाव संबंधी जागरूकता सत्र भी आयोजित किए गए। इन सत्रों का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर और सतर्क बनाना रहा।कार्यक्रम के दौरान नव-पंजीकृत वरिष्ठ नागरिकों को प्लास्टिक आईडी कार्ड भी वितरित किए गए, जिससे उनकी पहचान सुनिश्चित हो सके और जरूरत पड़ने पर उन्हें पुलिस सहायता शीघ्र मिल सके। इस मौके पर वरिष्ठ नागरिकों की सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 6 पुलिस कर्मियों को सम्मानित किया गया, जबकि समाज में सहयोग प्रदान करने वाले 30 नागरिकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन पुलिस और समाज के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने और वरिष्ठ नागरिकों के सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हुआ।

## वीरेंद्र सचदेवा ने 'मन की बात' कार्यक्रम को कार्यकर्ताओं के साथ सुना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रविवार को प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को विनोद नगर मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा 'मन की बात' कार्यक्रम में देश की समृद्ध संस्कृति और विरासत से जुड़े ज्ञान भारतम सर्वे का उल्लेख किया गया, जिसका उद्देश्य देशभर में उपलब्ध पांडुलिपियों का संकलन करना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। पीएम मोदी की सशक्त कूटनीति और विदेश नीति के कारण आज खाड़ी युद्ध और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की उपलब्धता सुचारू बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह मासिक संवाद सदैव प्रेरणा और नई दिशा प्रदान करता है; इस बार ज्ञान भारतम सर्वे, युवा सहभागिता ( माई भारत), रणजी ट्रॉफी, जल संरक्षण अभियान, फिटनेस एवं स्वस्थ जीवन शैली तथा सौर ऊर्जा (पीएम सूर्य घर योजना) जैसे राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर विशेष जोर दिया गया, जो जनभागीदारी के माध्यम से देश को सशक्त बनाने की प्रेरणा देते हैं।

इस दौरान वीरेंद्र सचदेवा ने आज 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026' के अंतर्गत विनोद नगर मंडल के प्रशिक्षण वर्ग में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

इस अवसर पर संगठन की कार्य पद्धति, वैचारिक अधिष्ठान एवं जनसेवा के मूल्यों के सुदृढ़ीकरण हेतु सार्थक विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की कूटनीति है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के संबंध छोटे से बड़े देशों के साथ अच्छे हैं। पीएम मोदी सिर्फ कहते नहीं करके दिखाते हैं। कोविड के दौरान 160 देशों को कोविड वैक्सीन दी। आज विश्व भारत को उम्मीद के तौर देखता है।

## देशवासियों को भरोसा, पीएम मोदी के रहते देश पर विपत्ति नहीं आ सकती: हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने भारत सरकार की कूटनीति और पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देशवासियों को भरोसा है कि जब तक पीएम मोदी हैं, देश पर कोई विपत्ति नहीं आ सकती।

नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि पूरी दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शायद एकमात्र ऐसे नेता हैं जो 'मन की बात' के माध्यम से हर महीने अपने नागरिकों से जुड़ते हैं। वे देशभर के बड़े राष्ट्रीय मुद्दों से लेकर छोटी-छोटी, सार्थक कहानियों तक हर विषय पर अपने विचार साझा करते हैं।

उन्होंने कहा कि इस वक्त मिडिल ईस्ट में युद्ध जारी है, लेकिन हम सभी देशवासियों को विश्वास है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारे देश पर कोई विपत्ति नहीं आने वाली है। प्रारंभ में भारत का जहाज कच्चा तेल लाकर हार्मुज से निकल गया। इसके बाद चार अन्य देशों को ईरान ने अनुमति दी है।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की कूटनीति है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के संबंध छोटे से बड़े देशों के साथ अच्छे हैं। पीएम मोदी सिर्फ कहते नहीं करके दिखाते हैं। कोविड के दौरान 160 देशों को कोविड वैक्सीन दी। आज विश्व भारत को उम्मीद के तौर देखता है। पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम से सभी को प्रेरित किया है।

उन्होंने कहा कि विश्वास नगर मंडल के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों के साथ पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। पीएम मोदी की सशक्त कूटनीति और विदेश नीति के कारण आज खाड़ी युद्ध और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की उपलब्धता सुचारू बनी हुई है।

दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक्स पोस्ट में लिखा कि पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को विनोद नगर मंडल के कार्यकर्ताओं के साथ सुना। इस कार्यक्रम में देश की समृद्ध संस्कृति और विरासत से जुड़े ज्ञान भारतम सर्वे का उल्लेख किया गया, जिसका उद्देश्य देशभर में उपलब्ध पांडुलिपियों का संकलन करना है। प्रधानमंत्री का यह मासिक संवाद सदैव प्रेरणा और नई दिशा प्रदान करता है।

इस बार ज्ञान भारतम सर्वे, युवा सहभागिता, रणजी ट्रॉफी, जल संरक्षण अभियान, फिटनेस एवं स्वस्थ जीवनशैली तथा सौर ऊर्जा जैसे राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर विशेष जोर दिया गया, जो जनभागीदारी के माध्यम से देश को सशक्त बनाने की प्रेरणा देते हैं।

## शाहदरा पुलिस की बड़ी कामयाबी, 320 चोरी/गुम मोबाइल फोन बरामद कर मालिकों को सौंपे

### ऑपरेशन विश्वास 2026:

❖ पंकज राय

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास 2026 के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए अब तक कुल 320 चोरी, छीने गए और गुम मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब ₹50 लाख है। पुलिस की इस कार्रवाई को जनता ने ऐतिहासिक कदम बताते हुए सराहा है। इस विशेष अभियान की शुरुआत 1 जनवरी 2026 को की गई थी, जिसका उद्देश्य चोरी, स्नैचिंग, लूट और गुम हुए मोबाइल फोन को ट्रेस कर उनके असली मालिकों तक पहुंचाना है। तकनीकी सर्विलांस, रियल-टाइम डिजिटल ट्रैकिंग, लगातार फॉलो-अप और टारगेटेड रेड्स के जरिए यह सफलता हासिल की गई।

### तकनीकी टीम की अहम भूमिका

शाहदरा जिला की तकनीकी सर्विलांस टीम ने IMEI ट्रैकिंग, CDR विश्लेषण और केंद्र सरकार के CEIR पोर्टल की मदद से मोबाइल फोन की लोकेशन ट्रेस की। इस अभियान में 75 मोबाइल फोन CEIR पोर्टल के जरिए खोजे गए। कुल 13 पुलिस टीमों ने मिलकर दिल्ली सहित अन्य राज्यों में सक्रिय मोबाइल फोन बरामद किए।

### साल दर साल बढ़ती सफलता

ऑपरेशन विश्वास के तहत पिछले वर्षों में भी शानदार रिकवरी दर्ज की गई है:

- 2023: 205 मोबाइल
- 2024: 555 मोबाइल
- 2025: 711 मोबाइल
- 2026: 320 मोबाइल (अभी जारी)
- कुल बरामदगी: 1791 मोबाइल फोन

### कहां से मिले मोबाइल?

बरामद मोबाइल फोन में से:

- दिल्ली: 317
- उत्तर प्रदेश: 2
- हरियाणा: 1

### किस प्रकार के मामले?

- गुम: 259
- चोरी: 42
- स्नैचिंग: 13
- हाउस थेफ्ट: 5
- लूट: 1

### थानों की सक्रिय भागीदारी

इस अभियान में शाहदरा जिले के कई थानों की टीमों ने अहम भूमिका निभाई। खासतौर पर:

- शाहदरा थाना: 88 मोबाइल
- GTB एन्क्लेव: 68 मोबाइल
- सीमापुरी: 51 मोबाइल
- आनंद विहार: 43 मोबाइल

### मालिकों को सौंपे गए मोबाइल

शाहदरा DCP कार्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित कर सभी 320 मोबाइल फोन उनके असली मालिकों को सौंपे गए। इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. सिंगला ने पुलिस टीमों की सराहना करते हुए उनके कार्य की प्रशंसा की।शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और मोबाइल चोरी जैसे अपराधों पर लगातार सख्ती बरती जाएगी। उन्होंने जनता से पुलिस के साथ सहयोग बनाए रखने की अपील की।

## संपादकीय

# अपने देश में ही ट्रंप का विरोध

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ईरान सकंट की वजह से धीरे-धीरे अपने देश में ही अलग-थलग पड़ते नजर आ रहे हैं। पहले कार्यकाल में ट्रंप जिस राजनैतिक स्थिरता की बात कर रहे थे, उससे वह कहीं दूर निकल आए हैं। उनके दूसरे कार्यकाल के सबसे हिंसक फैसले का खामियाजा अमेरिकी जनता और सेना भुगत रही है। खाड़ी के देशों में अमेरिकी सैन्य बेस को नुकसान हुआ है, अमेरिकी सैनिकों की शहादत हुई है। अमेरिका से लेकर दुनिया के काई देशों में ट्रंप के खिलाफ सड़क पर प्रदर्शन हो रहे हैं। इसके साथ ही यह सवाल भी उठने लगे हैं कि क्या ट्रंप अभी भी देश की मुख्य आवाज बने रहेंगे या उनके द्वारा शुरू की गई जंगें, उन्हें असफल राष्ट्रपति बनाने की राह पर ले जा रही हैं। अमेरिका में पहली बार, राजनैतिक अस्थिरता के हालात नजर आ रहे हैं। बढ़ती उम्र का असर भी ट्रंप पर साफ दिखाई देने लगे हैं। अपने दूसरे कार्यकाल की सबसे बड़ी चुनौती उन्होंने ईरान युद्ध शुरू करके ली है। बिना देश को साथ लिए वह जंग में कूद पड़े हैं। अमेरिका में लोग कह रहे हैं कि यह जंग अमेरिका ने इजरायल के दबाव में शुरू की है। उनकी चौतरफा आलोचना हो रही है। दिलचस्प बात यह है कि जंग से बाहर निकलने याजंग जारी रखने का ट्रंप के पास कोई ठोस प्लान नहीं है। बार-बार बदलते उनके बयानों ने उनकी मानसिक स्थिति पर भी सवाल उठाए हैं। यही नहीं ट्रंप देश में पब्लिक अपोनियन (जनता की राय) में निरंतर हाशिए पर जा रहे हैं। अमेरिकन मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार हालिया तीन ओपिनियन पोल में उनकी स्वीकृत रेटिंग 40 फीसदी से नीचे चली गई है। 60 फीसदी लोग उन्हें खारिज कर रहे हैं, या नाराज हैं। सिर्फ 38 फीसदी लोग, उनके साथ हैं। जल्दबाजी में ट्रंप ने जंग तो छेड़ दी, लेकिन यह तय नहीं कर पा रहे हैं कि आगे करना क्या है? कभी शांति सौदे की बात करते हैं, कभी हमले रोकने की बात करते हैं, कभी कहते हैं कि उन्हें होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण ही नहीं चाहिए। इस जंग में ट्रंप का भले ही व्यक्तिगत नुकसान न हो लेकिन उनकी पार्टी को यह क्षति झेलनी पड़ेगी। मौजूदा हालात अमेरिका में 2028 चुनाव की नींव रख रहे हैं। ऐसे में अमेरिका में अगला चुनाव, महंगाई, आवास संकट और युद्ध पर आधारित होने की संभावना है। ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कॉपरेशन एंड डेवपेलमेंट (ओईसीडी) ने हाल ही में आशंका जताई है कि अमेरिका में महंगाई, इस साल 4 फीसदी बढ़ेगी। ट्रंप का यह आखिरी कार्यकाल है लेकिन उनकी वजह से रिपब्लिकन पार्टी के खिलाफ माहौल बन रहा है।

# दहेज़ नहीं लिया... या बस नाम बदल दिया?

*आजकल शादियों में एक नया चलन तेजी से उभर रहा है। बड़े गर्व के साथ यह घोषणा की जाती है– “हमने दहेज़ नहीं लिया।” यह सुनते ही एक सकारात्मक छवि बनती है कि समाज बदल रहा है, लोग जागरूक हो रहे हैं। लेकिन जैसे ही शादी की रस्में आगे बढ़ती हैं, यह आदर्शवाद धीरे-धीरे दिखावे में बदलता नजर आता है। थाली में सजी नगदी, सोना-चांदी और महंगे उपहार—सब कुछ सलीके से प्रस्तुत किया जाता है। फिर एक प्रतीकात्मक अभिनय होता है—लड़का या उसका परिवार उस ढेर में से मात्र एक रुपया उठाता है, मानो यह सिद्ध कर रहा हो कि उन्होंने दहेज़ नहीं लिया। शेष सब कुछ “रिवाज़”, “भात”, “शगुन” या “उपहार” के नाम पर स्वीकार कर लिया जाता है। यह दृश्य केवल एक रस्म नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक मानसिकता का आईना है। सवाल यह नहीं कि एक रुपया लिया गया या नहीं; असली प्रश्न यह है कि क्या लड़की के परिवार पर आर्थिक या सामाजिक दबाव पड़ा या नहीं। दहेज़ प्रथा सदियों से भारतीय समाज की एक गंभीर समस्या रही है।*

**- डॉ. सत्यवान सौरभ**

भारतीय समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध माना जाता है। यह संबंध परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक मान्यताओं से जुड़ा होता है। लेकिन जब इन परंपराओं के पीछे छिपी मानसिकता पर सवाल उठता है, तो एक कड़वा सच सामने आता है—हमने बुराइयों को छोड़ा नहीं है, बस उनका स्वरूप बदल दिया है।

आजकल शादियों में एक नया चलन तेजी से उभर रहा है। बड़े गर्व के साथ यह घोषणा की जाती है—“हमने दहेज़ नहीं लिया।” यह सुनते ही एक सकारात्मक छवि बनती है कि समाज बदल रहा है, लोग जागरूक हो रहे हैं। लेकिन जैसे ही शादी की रस्में आगे बढ़ती हैं, यह आदर्शवाद धीरे-धीरे दिखावे में बदलता नजर आता है। थाली में सजी नगदी, सोना-चांदी और महंगे उपहार—सब कुछ सलीके से प्रस्तुत किया जाता है। फिर एक प्रतीकात्मक अभिनय होता है—लड़का या उसका परिवार उस ढेर में से मात्र एक रुपया उठाता है, मानो यह सिद्ध कर रहा हो कि उन्होंने दहेज़ नहीं लिया। शेष सब कुछ “रिवाज़”, “भात”, “शगुन” या “उपहार” के नाम पर स्वीकार कर लिया जाता है।

यह दृश्य केवल एक रस्म नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक मानसिकता का आईना है। सवाल यह नहीं कि एक रुपया लिया गया या नहीं; असली प्रश्न यह है कि क्या लड़की के परिवार पर आर्थिक या सामाजिक दबाव पड़ा या नहीं। दहेज़ प्रथा सदियों से भारतीय समाज की एक गंभीर समस्या रही है। पहले इसे खुले तौर पर माँगा जाता था—नकदी, गाड़ियाँ, गहने। समय बदला, कानून सख्त हुए, जागरूकता बढ़ी, और इस प्रथा के खिलाफ आवाजें उठीं। लेकिन क्या दहेज़ वास्तव में समाप्त हुआ? शायद नहीं। आज इसने अपना रूप बदल लिया है। अब इसे सीधे माँगना अनुचित माना जाता है, इसलिए इसे परंपरा और सम्मान की आड़ में छिपा दिया गया है। “भात”, “तिलक”, “सगाई के उपहार” और “विदाई के तोहफे”—नाम भले बदल गए हों, पर लेन-देन की प्रवृत्ति वही है।

“भात” जैसी परंपराएँ, जो कभी स्नेह और आत्मीयता का प्रतीक थीं, आज कई जगह सामाजिक प्रतिस्पर्धा और दिखावे का माध्यम बन चुकी हैं। कितना सोना दिया गया, कितनी नगदी रखी गई, कितने महंगे वस्त्र और उपहार दिए गए—इन्हीं पैमानों पर अब “इज्जत” का आकलन होने लगा है। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बोझ डालती है, बल्कि मध्यम वर्ग को भी अपनी क्षमता से अधिक खर्च करने के लिए विवश करती है। दिखावे की यह संस्कृति आज के समाज की एक बड़ी विडंबना बन चुकी है। सोशल मीडिया ने इसे और हवा दी है, जहाँ हर आयोजन एक प्रदर्शन बन गया है। “हमने दहेज़ नहीं लिया” जैसे वाक्य भी कई बार नैतिकता के बजाय छवि निर्माण का माध्यम बन जाते हैं। परिणाम यह होता है कि एक झूठी धारणा बनती है कि दहेज़ खत्म हो रहा है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत होती है।

दहेज़ का सबसे खतरनाक रूप वह है, जो दिखाई नहीं देता—जो “अनकहा” होता है। कोई खुलकर कुछ नहीं मांगता, लेकिन अपेक्षाएँ स्पष्ट रहती हैं। “हमें कुछ नहीं चाहिए, आप अपनी खुशी से कर दीजिए” या “हमें तो कुछ नहीं चाहिए, लेकिन समाज में इज्जत भी तो रखनी होती है”—ये वाक्य सुनने में सहज लगते हैं, लेकिन इनके पीछे गहरा सामाजिक दबाव छिपा होता है। यह दबाव ही दहेज़ को मजबूरी बना देता है, चाहे उसे स्वेच्छा का नाम क्यों न दिया जाए। कानून दहेज़ को अपराध घोषित करता है, लेकिन कानून केवल व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है, मानसिकता को नहीं। जब तक समाज खुद यह नहीं मानेगा कि यह प्रथा गलत है, तब तक कोई भी कानून इसे पूरी तरह समाप्त नहीं कर सकता।

वास्तविक बदलाव के लिए हमें अपने दृष्टिकोण और व्यवहार दोनों को बदलना होगा। परंपराओं का पुनर्मूल्यांकन करना होगा और यह तय करना होगा कि कौन-सी परंपराएँ सार्थक हैं और कौन-सी केवल दिखावे और दबाव का माध्यम बन चुकी हैं। “भात” और “उपहार” तभी तक उचित हैं, जब वे पूरी तरह स्वेच्छा और सामर्थ्य के भीतर हों। विवाह को सादगी और गरिमा के साथ स्वीकार करना होगा। यह समझना होगा कि यह कोई प्रदर्शन नहीं, बल्कि विश्वास और सम्मान का संबंध है। इसमें सबसे बड़ी जिम्मेदारी लड़के और उसके परिवार की है। उन्हें स्पष्ट रूप से यह तय करना होगा कि वे किसी भी रूप में, किसी भी नाम से लेन-देन स्वीकार नहीं करेंगे। अंततः यह स्वीकार करना होगा कि सम्मान धन से नहीं, मूल्यों से आता है। जब तक समाज खर्च को प्रतिष्ठा से जोड़कर देखता रहेगा, तब तक यह समस्या बनी रहेगी। अब समय आ गया है कि हम केवल यह कहने का दिखावा न करें कि “हमने दहेज़ नहीं लिया”, बल्कि वास्तव में ऐसी स्थिति पैदा करें जहाँ किसी को कुछ देने या लेने की आवश्यकता ही न पड़े।

दहेज़ के खिलाफ असली जीत तब होगी, जब एक रुपये का प्रतीकात्मक नाटक समाप्त होगा, जब “रिवाज़” के नाम पर होने वाला लेन-देन रुकेगा, और जब विवाह सच में समानता, सम्मान और प्रेम का बंधन बनेगा—न कि लेन-देन का सौदा।

# कम उपभोग, ज्यादा संरक्षण: यही है शून्य अपशिष्ट का मंत्र

**सुनील कुमार महला**

हर वर्ष 30 मार्च को ‘अंतरराष्ट्रीय शून्य अपशिष्ट दिवस’ मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य केवल धरती या अंतरिक्ष से कचरा कम करना ही नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य पर्यावरण व हमारी पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाना और मानव जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव लाना है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दिवस कचरा प्रबंधन(वेस्ट मैनेजमेंट) करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए एक ऐसा वैश्विक आह्वान है, जो हमें टिकाऊ(सस्टेनेबल) और संतुलित जीवन(बैलेंस्ड लाइफ) की ओर प्रेरित करता है। इसका एक महत्वपूर्ण लक्ष्य पूरी दुनिया को ‘प्लास्टिक-मुक्त अर्थव्यवस्था’ की दिशा में ले जाना भी है, जहाँ पैकेजिंग के लिए मशरूम या समुद्री शैवाल जैसे व अन्य किन्हीं प्राकृतिक व बेहतरीन विकल्पों का उपयोग किया जा सके।पाठक जानते हैं कि आज पूरी दुनिया की जनसंख्या बहुत ही तेजी से बढ़ रही है और इसके साथ ही धरती पर व अंतरिक्ष तक में भी कचरे की मात्रा भी निरंतर बढ़ती जा रही है।सीधे शब्दों में कहें तो यह दिवस हमें कचरे को कम करने, पुनः उपयोग (री-यूज) और पुनर्चक्रण (री-साइक्लिंग) के महत्व को समझाने के लिए समर्पित है।सच तो यह है कि यह ‘रिड्यूस, री-यूज और रीसायकल’ की अवधारणा को बढ़ावा देता है। वर्तमान समय में प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग पृथ्वी के पर्यावरण और हमारे पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। ऐसे में यह बहुत ही आवश्यक व जरूरी है कि हम खाद्य अपशिष्ट को कम करें और धरती के सभी प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें।

यह एक चिंताजनक तथ्य है कि हम हर वर्ष अरबों टन कचरा उत्पन्न करते हैं, लेकिन उसका बहुत कम हिस्सा ही पुनर्चक्रित कर पाते हैं। वास्तव में ‘शून्य अपशिष्ट’(जीरो वेस्ट) का अर्थ है ऐसी जीवनशैली अपनाना, जिसमें कचरा लगभग समाप्त हो जाए। इसका सीधा सा आशय यह है कि हम संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें, उन्हें संरक्षित रखें और भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित बनाएं।कहना ग़लत नहीं होगा कि कचरे और जलवायु परिवर्तन के बीच गहरा संबंध है। कचरे की बढ़ती मात्रा ग्लोबल वार्मिंग को भी बढ़ाती है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार शहरी ठोस कचरा वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 3-5% हिस्सा है। जब जैविक कचरा, जैसे भोजन, लैंडफिल में सड़ता है, तो वह मीथेन गैस उत्पन्न करता है, जो कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी ढंग से गर्मी को अवशोषित करती है। वास्तव में, यह दिवस उन लाखों अनौपचारिक श्रमिकों के योगदान को भी मान्यता देता है, जो कचरा प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि आज दुनिया भर में लगभग 2 करोड़ लोग इस क्षेत्र में कार्यरत हैं। साथ ही, यह दिवस उन कंपनियों की नीतियों पर भी प्रश्न उठाता है, जो जानबूझकर ऐसे उत्पाद बनाती हैं जो जल्दी खराब हो जाते हैं, ताकि उपभोक्ता बार-बार नए उत्पाद खरीदें। इसके समाधान के रूप में ‘राइट टू रिपेयर’ यानी मरम्मत का अधिकार एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरा है, जो वस्तुओं के जीवनकाल को बढ़ाने पर जोर देता है।शून्य अपशिष्ट का एक अहम पहलू ‘कंपोस्टिंग’ भी है। हमारे कुल कचरे का लगभग 50% हिस्सा जैविक होता है, जिसे खाद में परिवर्तित किया जा सकता है। इससे न केवल मीथेन गैस का उत्सर्जन कम होता है, बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती है और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता घटती है। कचरा प्रबंधन में घरों, उद्योगों, सरकारों और आम नागरिकों हम सभी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण व अहम् है। उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा की गई थी। इसका प्रस्ताव तुर्की ने रखा था और इसे अनेक देशों का समर्थन प्राप्त हुआ। यह पहल संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और संयुक्त राष्ट्र मानव बस्तियां कार्यक्रम (यूएन-हेबीटेट) के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार यह दिवस 30 मार्च 2023 को मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य ‘लीनियर इकोनॉमी’ (बनाओ-इस्तेमाल करो-फेंक दो) की जगह ‘सर्कुलर इकोनॉमी’ को बढ़ावा देना है।हर वर्ष इस दिवस की एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2023 की थीम थी-‘टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों को अपनाना’, 2024 की थीम-‘शून्य अपशिष्ट के क्षेत्र में युवा सबसे आगे’, और 2025 की थीम-‘फैशन और टेक्सटाइल्स में शून्य अपशिष्ट की ओर’ रखी गई थी। वर्ष 2025 की थीम का उद्देश्य कपड़ा उद्योग में उत्पन्न होने वाले कचरे को कम करना था, क्योंकि ‘फास्ट फैशन’ के कारण हर वर्ष करोड़ों टन कपड़े बेकार हो जाते हैं। इसके समाधान के रूप में ‘स्लो फैशन’ और टिकाऊ फैशन को बढ़ावा दिया गया। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम ‘खाद्य अपशिष्ट’ रखी गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य भोजन की बर्बादी को रोकना है। आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष दुनिया में लगभग 1 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है। यह न केवल भूख की समस्या को बढ़ाता है, बल्कि पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। अनुमान है कि विश्व में उत्पादित कुल भोजन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा व्यर्थ चला जाता है। यदि ‘फूड वेस्ट’ एक देश होता, तो यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक होता। वर्ष 2026 की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, यदि भोजन की बर्बादी को रोक दिया जाए, तो दुनिया के हर भूखे व्यक्ति का पेट चार बार भरा जा सकता है। इस वर्ष का संदेश स्पष्ट है- हमें जितनी आवश्यकता हो, उतना ही भोजन लें, शेष भोजन का पुनः उपयोग करें या दान करें, और जूठन न छोड़ें। साथ ही, खाद्य पदार्थों का उचित भंडारण भी आवश्यक है। ‘जीरो वेस्ट’ की अवधारणा 5R सिद्धांत पर आधारित है—रिफ्यूज (मना करना), रिड्यूस (कम करना), री-यूज (पुनः उपयोग), रीसायकल (पुनर्चक्रण) और रोट (खाद बनाना)।पाठकों को बताता चलूं कि कचरा कम करने का सीधा संबंध जल संरक्षण से भी है।

उदाहरण के लिए, यदि हम एक कॉटन टी-शर्ट को फेंकने के बजाय पुनः उपयोग करें, तो लगभग 2700 लीटर पानी बचाया जा सकता है, जो एक व्यक्ति की लगभग ढाई वर्ष की पीने की आवश्यकता के बराबर है। आज दुनिया के कुछ शहर, जैसे सैन फ्रांसिस्को और सियोल, ‘जीरो वेस्ट’ शहर बनने की दिशा में अग्रणी हैं और उन्होंने लैंडफिल में जाने वाले कचरे को लगभग 80% तक कम कर दिया है। शून्य अपशिष्ट का अर्थ कंजूसी नहीं, बल्कि रचनात्मकता है। यह हमें सिखाता है कि हम वस्तुओं के मालिक नहीं, बल्कि उनके उपयोगकर्ता हैं। बहरहाल, यहां यह उल्लेखनीय है कि लैंडफिल से निकलने वाला ‘लीचेट’ नामक जहरीला तरल भूजल को प्रदूषित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, शोध बताते हैं कि 1 टन ई-वेस्ट से 1 टन सोने के अयस्क की तुलना में अधिक सोना निकाला जा सकता है।

# श्रीराम और भरत के मिलाप का साक्षी है चित्रकूट का यह मंदिर

ऋषि वाल्मीकि द्वारा रामायण की रचना की गई थी। उनके द्वारा रचित रामायण के उत्तरकाण्ड में भरत मिलाप का प्रसंग मिलता है। भरत मिलाप प्रसंग को पढ़ने या सुनने के बाद व्यक्ति का मन भाव-विभोर हो उठता है। चित्रकूट में हुए इस मिलन स्थान का आज भी उतना ही महत्व माना जाता है, जितना कि उस दौरान था जब श्रीराम और भरत का मिलाप हुआ था। वर्तमान समय में इस स्थान पर एक मंदिर भी स्थापित है, जिसको भरत मिलाप मंदिर के नाम से जाना जाता है। बता दें कि मध्यप्रदेश के चित्रकूट में भगवान कामतानाथ परिक्रमा मार्ग पर भरत मिलाप मंदिर है। रामायण में वर्णित एक कथा के मुताबिक जब भगवान श्रीराम अयोध्या से गए, तो उनको मनाने के लिए भरत चित्रकूट पहुंचे। जहां पर उन्होंने श्रीराम से वापिस अयोध्या चलने का आग्रह किया, लेकिन श्रीराम ने अपने वचन को पूरा करने के लिए स्नेह के साथ भरत को वापिस अयोध्या भेज दिया था। चित्रकूट में श्रीराम और भरत के मिलन का दृश्य इतना भावपूर्ण था कि आसपास के लोगों के साथ प्रकृति भी भावुक हो गई और पत्थर तक पिघल गए। भाई मिलन का वर्णन गोस्वामी तुलसीदास ने श्रीरामचरित मानस में कुछ इस प्रकार किया है।

**द्रवहिं बचन सुनि कुलिस पषाना। पुरजन पेमु न जाइ बखाना॥**
**बीच बास करि जमुनहिं आए। निरखि नीरु लोचन जल छाए॥4॥**

आज भी चित्रकूट में श्रीराम और भरत के पैरों के निशान एक शिला पर देखने को मिलते हैं। राम-भरत मिलाप मंदिर के अलावा लक्ष्मण-शत्रुघन मिलन और कौशल्या-सीता मिलन मंदिर भी स्थापित है। बता दें कि भरत मिलाप मंदिर से कुछ ही दूरी पर एक विशाल कुआं मौजूद है। इस कुएं को भरत कूप के नाम से जाना जाता है। चित्रकूट जाने पर इस पवित्र स्थल के दर्शन के बिना यात्रा अधूरी मानी जाती है। माना जाता है कि भरत श्रीराम का एक राजा के रूप में अभिषक करना चाहते थे, इसके लिए उन्होंने सभी पवित्र तीर्थ स्थलों के जल को एकत्रित किया था। बाद में ऋषि अत्रि की सलाह पर भरत ने जल को इस कुएं में डाल दिया था। इस वजह से इस कुएं को भरत कूप के नाम से जाना जाता है।

## आज का इतिहास

1867 - अमेरिका ने रूस से अलास्का को 7.2 मिलियन डॉलर में खरीदने की प्रक्रिया पूरी की।

1919 - महात्मा गांधी ने रॉलेक्ट एक्ट के विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन की घोषणा की।

1949 -जोधपुर, जयपुर, जैसलमेर और बीकानेर रियासतों के विलय से 'वृहत्तर राजस्थान' संघ बना, जो आज 'राजस्थान दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

1953 - अल्बर्ट आइंस्टीन ने अपने संशोधित 'एकीकृत क्षेत्र सिद्धांत' (Unified Field Theory) की घोषणा की।

1981 - अमेरिका के राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर वाशिंगटन में जानलेवा हमला हुआ, जिसमें वे घायल हुए।

1992 -प्रख्यात फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे को ऑस्कर लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

1997 - कांग्रेस ने 10 महीने पुरानी एचडी देवेगौड़ा सरकार से कमज़ोर नेतृत्व का हवाला देते हुए समर्थन वापस ले लिया, जिसके बाद एक साल में तीसरी बार सरकार बदली।

1998 - चीन के उत्तरी हिस्से शिनदोंग में भेंड़ की हड्डी पर उत्कीर्ण 3000 साल पुरानी कुछ शब्दावलियां प्राप्त हुईं।

2003 - पाकिस्तान के कहुटा परमाणु संयंत्र पर 2 वर्षों के लिए प्रतिबंध लगा।

2003 - लंदन में श्री गुरु सिंह सभा गुरूद्वारा संगत के लिए खोला गया। समारोह में हजारों लोगों ने शिरकत की। इसे भारत से बाहर दुनिया का सबसे बड़ा गुरुद्वारा बताया गया।2004 - ताइवान के राष्ट्रपति शेन शुवी बियान राष्ट्रपति पद के लिए भारत के साथ शांति प्रक्रिया से हटने की धमकी दी।

2008 - रिलायंस एनर्जी लिमिटेड को 400 किलोवाट उच्च वोल्टेज विद्युत ट्रांसमिशन के लिए लगभग 1200 करोड़ रुपये के ठेके मिले।

2008 - इजराइल में चेतावनी के साथ अरब लीग सम्मेलन सम्पन्न।

2010 - 15 साल पहले पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह को मानव बम से उड़ाने के मामले में सह आरोपी आतंकी परमजीत सिंह भ्योरा को बुड़ैल जेल में विशेष कोर्ट में स्पेशल जज रवि कुमार सोंधी ने आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई।

# हिन्दू अनुभूति के महानायक हैं श्रीराम

**हृदयनारायण दीक्षित**

इतिहास पक्षपातपूर्ण नहीं होता। वह निष्पक्ष और निर्मम होता है। निर्मम का अर्थ है मेरा नहीं, इदं न मम। निष्पक्ष। जहां मम है, मेरा है, वहां पक्षपात है। लेकिन 'श्रद्धा' असम्भव पर विश्वास है। श्रद्धा का विकास शून्य से नहीं होता। वह इतिहास से तथ्य लेती है। संस्कृति की कसौटी पर कसती है। 'लोक' समर्थन करता है, विश्वास की सीमाएं फैलती हैं। विश्वास 'अंधविश्वास' जैसा दिखाई पड़ सकता है, लेकिन तर्क और विज्ञान की कसौटी महत्वपूर्ण है। हिन्दू-श्रद्धा का आधार दर्शन और वैज्ञानिक दृष्टिकोण है।

हिन्दू अनुभूति में राम, कृष्ण और शिव त्रिदेव हैं। श्रीराम और श्रीकृष्ण विष्णु के अवतार माने जाते हैं। भारतीय श्रद्धा ने उन्हें-इतिहास में खोजा। उन्हें भगवान भी माना। डॉ. राममनोहर लोहिया भारत के लोकमन की थाह ले चुके थे। लोहिया ने राम, कृष्ण और शिव को भारत में पूर्णता के तीन महान स्वप्नों की संज्ञा दी। "राम की पूर्णता मर्यादित व्यत्तित्व में है, कृष्ण की उन्मुक्त या सम्पूर्ण व्यत्तित्व में और शिव की असीमित व्यत्तित्व में, लेकिन हर एक पूर्ण है।" (राम, कृष्ण और शिवः लोहिया, पृ. 4) डॉ. लोहिया समाजवादी थे। डॉ. रामविलास शर्मा मार्क्सवादी थे। महाभारत के सम्बंध में डॉ. शर्मा की टिप्पणी दिलचस्प है, "महाभारत इतिहास है, आख्यान है.... आधुनिक अर्थ में वह इतिहास नहीं है, लेकिन इतिहास से भिन्न भी नहीं है।" फिर आगे कहा, "ऋग्वेद में जो समाज-व्यवस्था है, ऋग्वेद और रामायण के समाजों से महाभारत का समाज पिछड़ा हुआ है।" (भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश)। यहां एक समाज ऋग्वेद का है, एक रामायण का और बाद का समाज महाभारत का है। श्रीराम और रामायण का समाज ऋग्वेद के बाद है, महाभारत के पहले है। राज्य-व्यवस्था भी विकसित है।

भारत के ज्ञात इतिहास, पौराणिक अनुश्रुति के अनुसार वैवस्वत मनु पहले आर्य राजा थे। उनके बड़े पुत्र थे इक्ष्वाकु। मनु और इक्ष्वाकु ऋग्वेद में भी हैं। इक्ष्वाकु अयोध्या के राजा थे। इक्ष्वाकु के 19 पीढ़ी बाद मान्धाता चक्रवर्ती राजा हुए। उनका पुत्र पुरुकुत्स अयोध्या का राजा बना। पुरुकुत्स के 11 पीढ़ी बाद दानवीर राजा हरिश्चन्द्र का शासन आया। 41वीं पीढ़ी में राजा सगर और 45वीं में चक्रवर्ती सम्राट भगीरथ। इक्ष्वाकुवंश के बाद 60वीं पीढ़ी में दिलीप, फिर दिलीप का पोता रघु और भी प्रतापी राजा हुआ। रघु के कारण ही 'रघुवंशी' शब्द चला। रघु के पुत्र अज, अज के पुत्र दशरथ और दशरथ के पुत्र श्रीराम। श्रीराम इक्ष्वाकु वंश की 65वीं पीढ़ी में थे। वाल्मीकि ने इन्हीं श्रीराम को अपना नायक बनाया। रामायण अस्तित्व में आई। वाल्मीकि 'आदर्श मनुष्य' का चित्रण कर रहे थे। वाल्मीकि के श्रीराम मनुष्य हैं और ईश्वर भी हैं। लेकिन मनुष्य ज्यादा हैं। तुलसीदास के राम ईश्वर हैं, वे मनुष्य रूप में लीला करते हैं। राम सबको भाए। श्रीराम का चरित्र और व्यक्तित्व विश्वव्यापी बना। संस्कृत और प्राकृत सहित भारत और विश्व की तमाम भाषाओं में रामकथाएं लिखी गईं। तमिल कवि कम्बन ने 11वीं सदी में ही रामकथा लिखी। मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया में भी रामायण राष्ट्रीय महत्व वाला ग्रंथ है। भारतीय इतिहास के सबसे बड़े लोकप्रिय नेता महात्मा गांधी भारत में 'रामराज्य' के ही स्वप्नद्रष्टा बने।

लोहिया के अनुसार 'राम' उत्तर और दक्षिण की एकता के देवता हैं और 'रामायण' उत्तर-दक्षिण एकता का ग्रंथ। उन्होंने कहा, "राम की पूर्णता मर्यादित व्यत्तित्व में है। उन जैसा मर्यादित जीवन कहीं और नहीं, न इतिहास में, न कल्पना में। श्रीराम समन्वय के प्रतीक हैं। न्याय के लिए संघर्ष के प्रतीक हैं। राम आनंद-सागर हैं, हिलोरे लेने वाला सागर नहीं, विश्रांत-निस्पंद।" लोहिया को तुलसी का 'रामचरित मानस' मोहित करता था। एक-एक चौपाई आनंद का सागर है।

'रामराज्य' विश्व में अद्वितीय है। वैदिककाल से लेकर आधुनिक काल की किसी राज्यप्रणाली में रामराज्य के आदर्श नहीं मिलते। तुलसी लिखते हैं, "बयरु न कर काहू सन कोई, राम प्रताप विषमता खोई।" (रामचरितमानस, उत्तरकाण्ड) फिर कहते हैं, "अल्प मृत्यु नही कौनिऊ पीरा, सब सुन्दर सब बिरुज शरीरा। नहि दरिद्र कोऊ दुखी न दीना, नहि कोऊ अबुध न लच्छन हीना। न अल्पमृत्यु है, न बीमारियां। सब स्वस्थ हैं। कोई गरीब और दुःखी नहीं है। न कोई मूर्ख है और न अगुणी।" सबसे दिलचस्प बात यह है, "बिधु महि पूर मयूखन्हि, रबि तप जेतन्हि काज"- चन्द्रमा धरती को प्रकाश से पूर्ण करता है, सूर्य उतना ही तपते हैं, जितना जरूरी होता है। फिर वर्षा के बारे में कहते हैं, "मांगे वारिधि देहि जल, रामचन्द्र के राज-बादल इच्छा करते ही, जल माँगते ही बरस पड़ते हैं।"

रामचरितमानस की प्रगतिशीलता सांस्कृतिक परम्परा से संवाद करती है। यह 'विधि निषेधमय कलिमय हरनी' (बालकाण्ड) है, इसमें विधि-निषेध (करणीय और अकरणीय) की सूची है। वेदों की परम्परा है, उपनिषदों का दर्शन है। सगुण भक्ति-उपासना है। निर्गुण-निराकार की सरल व्याख्या है। अद्वैत दर्शन भी है, "एक दारुगत देखिए एकू, पावक सम जुग ब्रह्म विवेकू-जैसे लकड़ी के भीतर निराकार अग्नि छिपी रहती है, दिखाई नहीं पड़ती, लेकिन जलते समय अग्नि प्रकट रहती है।" प्रकट अग्नि सगुण है, अप्रकट अग्नि निर्गुण है। ऋग्वेद में अग्नि से ऐसी ही प्रार्थना है। उपनिषदों वाले ब्रह्म की तुलसी की चौपाई ठेठ अवधी भाषा में है "व्यापकु एकु ब्रह्म अविनाशी, सत चेतन घन आनंद वासी।" (बालकाण्ड) लेकिन तुलसी भक्तिमार्गी हैं, "निरगुन तें एहि भांति बड़, नाम प्रभाऊ अपार"- वे नाम का प्रभाव निर्गुण और सगुण से भी बड़ा बताते हैं, "कहहुं नाम बड़ नाम राम तें निज विचार अनुसार।" यहां राम का नाम सगुण राम से भी बड़ा है। "राम नाम वाणी है। मन संकल्प है। ध्यान है, विज्ञान है, अन्न-जल उन्हीं में है, वे तेज हैं। आकाश हैं, आशा हैं, प्राण हैं।"

मार्क्सवादीविद्वान श्रीराम को कल्पना बताते हैं। 'राम' भारत की श्रुति में, बोली में, नमस्कार और कुशलक्षेम में, प्रत्येक मंगलमुहूर्त में हैं। चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य बहुपठित विद्वान और राजनेता थे। रामकथा पर वे भी सम्मोहित थे। उन्होंने तमिल में 'तिरुगमन-रामायण' लिखी। इसका हिन्दी अनुवाद उनकी पुत्री और महात्मा गांधी की पुत्र-बहू लक्ष्मी देवदास गांधी ने किया। राजाजी ग्रन्थ की भूमिका में लिखते हैं, "सियाराम, हनुमान और भरत को छोड़कर हमारी कोई गति नहीं। उनकी कथा हमारे पूर्वजों की धरोहर है। हम आज उसी के आधार पर जीवित हैं।" (हिन्दी अनुवाद, पृ. 7) यहां 'इसी के आधार पर हम जीवित हैं' वाक्य पर गौर करना चाहिए। भारत का राष्ट्रजीवन अखण्ड रामायण है। अविभक्त है।

हिन्दू अनुभूति के महानायक हैं श्रीराम। वे दिक्काल में हैं और दिक्काल के परे भी। भारतीय जनता के चित्त, आचार-व्यवहार पर श्रीराम का प्रभाव है। श्रीराम 'मंगल भवन' हैं और 'अमंगलहारी' भी। वे भारत के मन में रमते हैं। मिले तो राम-राम, अलग हुए तो राम-राम। राम का नाम हमसब बचपन से सुनते आए हैं। वे संकट के धैर्य हैं। वे परम शक्तिशाली हैं। भाव-श्रद्धा में वे ईश्वर हैं। राम तमाम असंभवों के संभव हैं। युद्ध में अजेय पौरुष-पराक्रम और निजी जीवन में मर्यादा के पुरुषोत्तम। श्रीराम भारतीय आदर्श व आचरण के शिखर हैं। भारतीय मनीषा ने उन्हें ब्रह्म या ईश्वर जाना है। श्रीकृष्ण भी विष्णु के अवतार हैं। वे अर्जुन को गीता (10.31) में बताते हैं "पवित्र करने वालों में मैं वायु हूं और शस्त्रधारियों में राम हूं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

## वंदे मातरम् राष्ट्रवाद का मंत्र, यह कभी अप्रासंगिक नहीं होगा :मदन दिलावर

**कोलकाता।** राजस्थान परिषद की ओर से राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ३वंदे मातरम 150 वर्ष पूर्ति गौरवशाली स्मरण३ के भव्य समारोह में राजस्थान सरकार के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं बल्कि राष्ट्रवाद का जीवंत मंत्र है, जो सदैव प्रासंगिक रहेगा और देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान देशवासियों में नई चेतना का संचार किया था और आज भी इसकी गूंज राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को सशक्त करती है। कोलकाता स्थित राष्ट्रीय ग्रंथागार के सभागार में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी समाज के लोग, साहित्यकार, शिक्षाविद एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी एवं उद्योगपति बेणु गोपाल बांगड़ ने की। अपने संबोधन में मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि इसी ऐतिहासिक दिन (29 मार्च, 1857) महान क्रांतिकारी मंगल पांडे ने स्वतंत्रता की पहली लड़ाई का शंखनाद किया था। उन्होंने बंगाल की इस पावन भूमि को भारतीय जनसंघ के प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.

श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सुभाष चंद्र बोस, स्वामी विवेकानंद की जन्मस्थली बताते हुए इसे राष्ट्रवादी विचारधारा की उर्वर धरती बताया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशभक्ति का उद्घोष बन गया था। यह गीत इतना प्रेरणादायी है कि इसे सुनकर निराश व्यक्ति में भी नवजीवन का संचार हो सकता है। उन्होंने कहा कि इतिहास में ऐसे दौर भी आए जब इस गीत का विरोध हुआ, लेकिन इसके बावजूद यह गीत जनमानस की चेतना में निरंतर जीवित रहा। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम का विरोध जब मुस्लिम लीग ने किया तो तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके खिलाफ इसको लिखने वालों के खिलाफ जांच बैठा दी। उन्हीं लोगों ने जब अपातकाल लगाई और देश को जेल में बदल दिया तो इसी वंदे मातरम का गयान हर जेल में होता था जिसके बाद अंधेरा छंटा। दिलावर ने कहा कि आपातकाल के कठिन दौर में भी देशभक्तों ने जेलों में वंदे मातरम् का गायन कर लोकतंत्र की लौ जलाए रखी। उन्होंने कहा कि यह गीत भारत की आत्मा का स्वर है और इसका महत्व कभी कम नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को जो सम्मान देश में मिलना चाहिए था वह कभी नहीं मिला लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके संपूर्ण गायन का फैसला कर, सम्मान दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में इस गीत को जो सम्मान मिलना चाहिए था, वह सुनिश्चित करने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थान के नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने अपने संबोधन में बंगाल की क्रांतिकारी परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी धरती से निकलकर रास बिहारी बोस, नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज का गठन कर स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि राजस्थान ने भी वीरता, साहित्य और बलिदान की परंपरा में सदैव देश का मार्गदर्शन किया है। उन्होंने महाराणा प्रताप, राणा कुंभा जैसे महान योद्धाओं का स्मरण करते हुए कहा कि राजस्थान ने स्वतंत्रता के बाद भी देश को सर्वाधिक वीर सैनिक और बलिदानी दिए हैं। उन्होंने कहा कि आज राजस्थानी समाज देश ही नहीं बल्कि विश्वभर में अपनी प्रतिभा और परिश्रम का परचम लहरा रहा है। समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ प्रेम शंकर त्रिपाठी ने वंदे मातरम् की साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह गीत भारतीय आत्मा की अभिव्यक्ति है, जिसमें मातृभूमि के प्रति समर्पण और श्रद्धा का अद्वितीय संगम दिखाई देता है। इस अवसर पर 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष' पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान परिषद द्वारा प्रकाशित एक संग्रहणीय स्मारिका का भी लोकार्पण किया गया। इस स्मारिका का संपादन युवा पत्रकार सच्चिदानंद पारीक एवं भागीरथ सारस्वत ने वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. प्रेम शंकर त्रिपाठी के मार्गदर्शन में किया है। इसमें वंदे मातरम् की मूल भावना, उसके राष्ट्रीय संदेश तथा उसके ऐतिहासिक महत्व पर देश के प्रख्यात साहित्यकारों, कवियों एवं लेखकों के विचार संकलित किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान सुप्रसिद्ध गायिका मारुति मोहता एवं उनके सहयोगी कलाकारों ने वंदे मातरम् की संगीतमय प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। साथ ही राजस्थानी लोकगीतों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिए। राजस्थान परिषद के महामंत्री अरुण प्रकाश मल्लावत ने परिषद की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था अपनी स्थापना के समय से ही राजस्थानी कला, संस्कृति और साहित्य के संरक्षण तथा संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

## पाकिस्तान में लॉकडाउन लगाने की चर्चा हुई तेज

**नई दिल्ली।** पड़ोसी देश पाकिस्तान जहां एक तरफ ईरान युद्ध में खुद को शांति के लिए मध्यस्थ बनाने की पुरजोर कोशिश कर रहा है तो दूसरी तरफ पाकिस्तान की हालत इतनी खराब है कि देश में पेट्रोल-डीजल की किल्लत की वजह से पाकिस्तान की सरकार के भीतर स्मार्ट लॉकडाउन पर चर्चा शुरू हो गई है। इसी कड़ी में आज स्मार्ट लॉकडाउन का एक ड्राफ्ट नोटिफिकेशन भी पाकिस्तानी मीडिया ने लीक कर दिया।

इसके तहत पूरे देश में अगले आदेश तक शनिवार आधी रात से और रविवार रात तक दो दिनों का स्मार्ट लॉकडाउन लग सकता है। हालांकि पाकिस्तानी सरकार ने बयान जारी करके कहा कि अभी फिलहाल देश में स्मार्ट लॉकडाउन लगाने का अंतिम आदेश नहीं पारित हुआ है और ड्राफ्ट की कॉपी को अंतिम आदेश के रूप में पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट कर रही है वो गलत है।

पाकिस्तानी सरकार द्वारा राज्यों को भेजे के गए स्मार्ट लॉकडाउन के ड्राफ्ट के मुताबिक अगर सभी पक्ष सहमत होते हैं तो पूरे पाकिस्तान में अगले आदेश तक शनिवार आधी रात रात 12 बजकर 1 मिनट से रविवार 11 बज कर 59 तक स्मार्ट लॉकडाउन लगाया जा सकता है।.

इसके तहत पूरे देश में बाजार, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, दफ्तर, दुकाने पूरी तरह बंद रहेंगे। साथ ही स्मार्ट लॉकडाउन के समय शादी समारोह से लेकर किसी भी तरह के जश्न पर भी पाकिस्तान में पाबंदी रहेगी. ये स्मार्ट लॉकडाउन पाकिस्तान की सरकार 4 अप्रैल से लागू करने पर विचार कर रही है।

पाकिस्तान की हालत कितनी खराब है, इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पाकिस्तानी सरकार के ड्राफ्ट प्रस्ताव के मुताबिक स्मार्ट लॉकडाउन के समय पूरे पाकिस्तान में मोटरवेज, इंटरसिटी रोड और हाईवे तक बंद रखने पर पाकिस्तान की सरकार विचार कर रही है। इसके तहत अगर किसी को एक शहर से दूसरे शहर जाना है या फिर शहर में एक जगह से दूसरी जगह जाना है तो व्यक्ति अपनी प्राइवेट गाड़ी का प्रयोग नहीं कर सकेगा और उसे सरकारी बस से यात्रा करनी पड़ेगी।

पाकिस्तान में समय डीजल और पेट्रोल की भयंकर क्राइसिस चल रही है और कच्चे तेल के दाम बढ़ने की वजह से पाकिस्तान अपनी जरूरत का तेल नहीं ख़रीद पा रहा है।. कंगाली झेल रहा पाकिस्तान जहाँ एक तरफ दावा कर रहा है कि ईरान ने उसके झंडे के तहत 20 शिपों को स्ट्रेट ऑफ़ हॉर्मुज से निकालने की सहमती दी है।

हर दिन पाकिस्तान के झंडे से 2 शिप स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकल पाएंगे तो दूसरी तरफ ये भी जानकारी दी जा रही है कि ये अमेरिका की तरफ़ जाने वाले शिप होंगे। यानी ईरान के साथ अमेरिका-इजरायल की चल रही जंग में पाकिस्तान अमेरिका के चेले का किरदार तो बखूबी निभा रहा है, लेकिन अपनी हालत में बेहतरी करने के बजाए पाकिस्तान कंगाली में पूरे देश को झोंक रहा है और स्मार्ट लॉकडाउन पर चर्चा उसी दिशा में पाकिस्तान का एक कदम है।

## मणिपुर : दो उग्रवादी संगठनों के दो कैडर एवं मादक पदार्थ के साथ दो ड्राइवर गिरफ्तार

**इंफाल।** मणिपुर पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा राज्य के अलग-अलग हिस्सों में चलाए जा रहे अभियानों के दौरान उग्रवादियों की गिरफ्तारी, हथियार एवं गोला-बारूद की बरामदगी के साथ ही मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले तस्करों की भी लगातार गिरफ्तारी जारी है।

इसी कड़ी में दो उग्रवादियों की जहां गिरफ्तारी हुई है, वहीं भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा रविवार को दी गयी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 28 मार्च को सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन यूपीपीके के एक सक्रिय कैडर खारीबाम बोयनाओ मैतेई उर्फ लमंगकपा (32) को उसके निवास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित को इंफाल पूर्वी जिले के सगोलमांग थानांतर्गत ईशिंगथेम्बी मपाल लीकाई का रहने वाला बताया

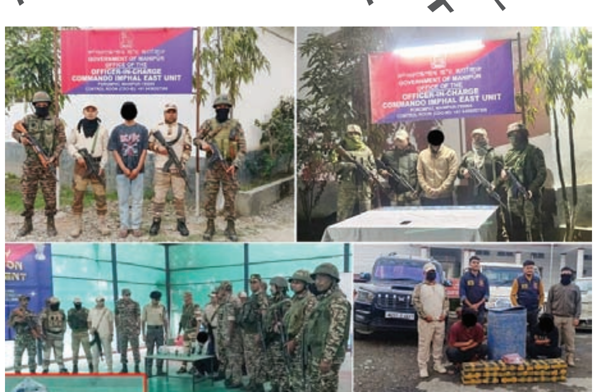


गया है। वहीं एक अन्य बयान में इसी दिन सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन आरपीएफ/पीएलए के जबरन वसूली में शामिल एक सक्रिय कैडर थोकचोम खेलजीत मैतेई उर्फ कैनी (48) को इंफाल पूर्वी जिले पोरोम्पैट थानांतर्गत हप्ता कांगजीबुंग क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। आरोपित इंफाल पश्चिम जिले के लाम्फेल थानांतर्गत नाओरेमथोंग खुमानथेम लीकाई का निवासी बताया गया है।

उसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। इस बीच शनिवार को सुरक्षा बलों और एनसीबी की एक संयुक्त टीम ने चुराचांदपुर जिले के नगाथल मैदान इलाके से एक डीआई टाटा और एक स्कॉर्पियो को रोका और तलाशी के दौरान मिले मादक पदार्थ के बाद ड्राइवरों को गिरफ्तार किया गया। जिनकी पहचान पौमुआनलियान तुंगनुंग (23) और लियानमिनथांग नेहसियाल (26) के रूप में की गयी है। उनके वाहनों से छुपाकर ले जाई जा रही हेरोइन से भरी 207 साबुनदानी को बरामद किया गया।

जिनकी कीमत करोड़ों रुपये आंकी गयी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि, बीते 27 मार्च को सुरक्षा बलों ने जिरीबाम जिले के डिबोंग अवांग लीकाई के मोइरंगथेम बिजेन सिंह (55) को जिरीबाम थानांतर्गत इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से दो 36 नंबर के हथगोले और विभिन्न कैलिबर के पांच राउंड कारतूस बरामद किया गया।पुलिस सभी मामलों में जांच जारी रखे हुए है।

## गोडावण के संरक्षण के प्रयासों के लिए 2010 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था : जयराम रमेश

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि जून 2010 में तत्कालीन पर्यावरण मंत्री के रूप में उन्होंने उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री रहे नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कच्छ के घास के मैदानों में गोडावण (ग्रेट इंडियन बस्टर्ड) की संख्या बढ़ाने के लिए संरक्षण प्रयास करने का आह्वान किया था। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''गुजरात में गोडावण की सुरक्षा की पहल का पूरा श्रेय हमेशा की तरह प्रधानमंत्री को दिया जा रहा है। यह प्रचारित किया जा रहा है कि उनके मन में यह विचार 2011 में आया था।'' उन्होंने कहा, ''महज ऐतिहासिक रुचि के विषय के तौर पर बताना चाहता हूं कि नौ जून 2010 को तत्कालीन केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कच्छ के घास के मैदानों में गोडावण की संख्या बढ़ाने के लिए

संरक्षण प्रयास किए जाने का आह्वान किया था। इससे जुड़े पेशेवर लोग यह पृष्ठभूमि जानते हैं।'' मई 2009 से जुलाई 2011 के बीच रमेश पर्यावरण मंत्री थे। उन्होंने कहा कि मार्च 1961 में भारत के महानतम पक्षी विज्ञानी सलीम अली ने इच्छा जताई थी कि गोडावण को राष्ट्रीय पक्षी घोषित किया जाए क्योंकि यह विलुप्ति के कगार पर था लेकिन दिसंबर 1963 में मैसूर के जयचामराजेंद्र वाडियार की अध्यक्षता वाले भारतीय वन्यजीव बोर्ड ने ऐतिहासिक, पौराणिक, धार्मिक और सांस्कृतिक कारणों से मोर को राष्ट्रीय पक्षी चुना था। रमेश ने 2010 में मोदी को लिखे अपने पत्र में कहा था, ''आप जानते हैं कि गोडावण अत्यधिक संकटग्रस्त प्रजाति है और गुजरात में कच्छ के घास के मैदान इस प्रजाति के पुनरुद्धार की संभावना वाले आखिरी बचे क्षेत्रों में से एक हैं।'' उन्होंने कहा था कि पक्षी विज्ञानी गोडावण के संरक्षण को शेरों और बाघों के संरक्षण के बराबर ही महत्वपूर्ण मानते हैं। रमेश ने मोदी को लिखे अपने पत्र में कहा था, ''मैं आपसे यह अनुरोध करने के लिए पत्र लिख रहा हूं कि आप तत्काल हस्तक्षेप करें और राजस्व गौचर भूमि को कृषि में परिवर्तित होने से रोकें तथा यह सुनिश्चित करें कि जिला अधिकारी नलिया (पक्षियों की एक प्रजाति) संरक्षण पहलों का समर्थन करें। यदि हम हस्तक्षेप नहीं करते हैं तो गुजरात में गोडावण के विलुप्त होने की संभावना बहुत अधिक है।'' रमेश के 'एक्स' पर यह पोस्ट साझा करने से एक दिन पहले, केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शनिवार को बताया था कि गुजरात के कच्छ में एक दशक बाद गोडावण (जीआईबी) का चूजा जन्मा है।

## रांची के 'लॉड्र्स ऑफ ड्रिंक्स' बार में पुलिस की छापेमारी

**रांची।** झारखंड की राजधानी रांची में शनिवार देर रात पुलिस ने लॉड्र्स ऑफ ड्रिंक्स बार में छापेमारी की। हालांकि इस कार्रवाई के दौरान पुलिस को कोई आपत्तिजनक सामग्री या अवैध गतिविधि के सबूत नहीं मिले, लेकिन अचानक हुई इस रेड से बार में मौजूद लोगों और प्रबंधन के बीच हड़कंप मच गया। दरअसल, पुलिस को शिकायत मिली थी कि बार में देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा है, साथ ही ग्राहकों को ड्रग्स उपलब्ध कराने और अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्तता की आशंका जताई गई थी। इन सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने बार के स्टॉक की जांच की और लाइसेंस से जुड़े दस्तावेजों का भी सत्यापन किया। इसके अलावा, वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की गई और सुरक्षा के मद्देनजर सभी को घर जाने के निर्देश दिए गए। इस मामले पर कोतवाली पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) प्रकाश सोय ने रविवार को बताया कि पुलिस को देर रात तक डीजे बजाने और अवैध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। इसी के आधार पर टीम मौके पर पहुंची और सभी पहलुओं की गहन जांच की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि छापेमारी के दौरान कोई भी संदिग्ध या अवैध सामग्री बरामद नहीं हुई। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और भविष्य में ऐसी शिकायत मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

## कश्मीर के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी

**श्रीनगर।** मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि कश्मीर के ऊंचाई वाले कई इलाकों में ताजा बर्फबारी के कारण दो राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गए हैं जबकि घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई है। अधिकारियों ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के तहत, गुलमर्ग, पहलगाम, युसमर्ग, गुरेज़, राजदान टॉप और सोनमर्ग-जोजिला एक्सिस सहित ऊंचे इलाकों में रात भर हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई। ताजा बर्फबारी के कारण श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग और बांदीपोरा-गुरेज़ मार्ग बंद हो गया। उन्होंने कहा कि श्रीनगर शहर सहित घाटी के मैदानी इलाकों में मध्यम बारिश हुई जो कई स्थानों पर रुक-रुक कर हुई। मौसम विभाग के अनुसार बादल छाए रहने के कारण घाटी में न्यूनतम तापमान में वृद्धि हुई है। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 10.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 3.8 डिग्री अधिक है। पूरी घाटी में रात का तापमान सामान्य से तीन से पांच डिग्री अधिक था। मौसम विभाग ने कहा कि मैदानी इलाकों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश

होने और सोमवार रात तक गरज/तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे) के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। इसमें कहा गया है कि उत्तर और मध्य कश्मीर के कुछ ऊंचे इलाकों में मध्यम बर्फबारी की संभावना है। इसमें कहा गया है कि 31 मार्च को मौसम बादल छाए रहने और छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है जबकि 1-2 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है। मौसम कार्यालय ने 3-7 अप्रैल तक अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की भी भविष्यवाणी की है। किसानों को सोमवार तक सभी कृषि कार्यों को स्थगित करने की सलाह दी।

## असम के तैराकों ने राज्यपाल रमेन डेका से की सौजन्य भेंट

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 प्रतियोगिता में भाग लेने आए असम राज्य के तैराक खिलाड़ियों ने आज रविवार को लोक

भवन में राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य मुलाकात की। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक जीतकर फर्स्ट रनर-अप का स्थान हासिल किया है। राज्यपाल डेका ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेलों में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना से ही ऐसी सफलता हासिल होती है। राज्यपाल ने खिलाड़ियों को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर खिलाड़ियों के साथ असम स्विमिंग एसोसिएशन के संयुक्त सचिव दिव्य ज्योति शर्मा, तकनीकी अधिकारी जान मनी बोरा तथा कोच भी उपस्थित रहे।

### डॉ. मीर शाहनवाज को 'सबसे भरोसेमंद त्वचा विशेषज्ञ 2026' सम्मान

## उपराज्यपाल सिन्हा ने किया सम्मानित

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर के प्रमुख त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. मीर शाहनवाज को वर्ष 2026 के "सबसे भरोसेमंद त्वचा विशेषज्ञ और कॉस्मेटोलॉजिस्ट" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान 28 मार्च 2026 की शाम हरि निवास पैलेस में आयोजित एक समारोह के दौरान दिया गया। इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र, प्रशासन और नागरिक समाज की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान का उत्सव मनाया।

त्वचाविज्ञान और कॉस्मेटिक चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी पहचान रखने वाले डॉ. शाहनवाज ने जम्मू-कश्मीर में त्वचा और बालों के उपचार को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रीनगर

स्थित डर्मिस स्किन लेजर एंड हेयर ट्रांसप्लांट क्लिनिक के संस्थापक और निदेशक के रूप में उन्होंने एक आधुनिक और तकनीक-आधारित चिकित्सा केंद्र स्थापित किया है, जहां उन्नत और प्रमाण-आधारित उपचार उपलब्ध कराए जाते हैं।

डॉ. शाहनवाज अत्याधुनिक लेजर तकनीक और अंतरराष्ट्रीय स्तर की सौंदर्य प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने जिद्दी रंजकता, मेलास्मा, मुंहासों के निशान और बाल झड़ने जैसी जटिल समस्याओं के उपचार में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उनका कार्य वैज्ञानिक सटीकता और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण का संतुलित उदाहरण प्रस्तुत करता है।

इस अवसर पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने डॉ. शाहनवाज की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे समर्पित विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर को ऊंचा उठाने में अहम भूमिका निभाते हैं और क्षेत्र में विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में योगदान देते हैं।

सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. शाहनवाज ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेंगे, ताकि क्षेत्र को उन्नत त्वचाविज्ञान और सौंदर्य सेवाओं के क्षेत्र में और मजबूत बनाया जा सके।

## जयपुर में हाफ मैराथन का भव्य आगाज

### मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया फ्लैग ऑफ

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर के अजमेर रोड स्थित महिन्द्रा वर्ल्ड सिटी में आयोजित हाफ मैराथन का फ्लैग ऑफ कर शुभारंभ किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में युवाओं और आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तन और मन से स्वस्थ रहना सुखी जीवन का मूल आधार है। भारत युवाओं का देश है और युवा तरुणाई को ऊर्जा से भरपूर बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब युवा आगे बढ़ेगा, तभी समाज और राष्ट्र भी प्रगति करेगा।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाते हुए अपने लक्ष्यों

को प्राप्त करें और देश-प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले सवा दो वर्षों में सरकारी और निजी नौकरियों के साथ-साथ स्वरोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराकर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास किया गया है। यह हाफ मैराथन द टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं युवाओं पर केंद्रित हैं और युवाओं को चाहिए कि वे इन योजनाओं का लाभ उठाकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक इसका फायदा पहुंचाएं।

मैराथन को हरी झंडी दिखाने के बाद मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

इस अवसर पर टाइम्स ऑफ इंडिया के डायरेक्टर अनुराग अग्रवाल, महिन्द्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड के एमडी-सीईओ अमित कुमार सिन्हा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूरे आयोजन में युवाओं का जोश और उत्साह देखने लायक रहा, जिससे जयपुर में एक सकारात्मक और ऊर्जा से भरा माहौल बना रहा।

## संक्षिप्त खबरें

### यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती बस में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

**मथुरा।** नौझील थाना क्षेत्र में रविवार को यमुना एक्सप्रेसवे पर एक निजी बस में आग लग गई। हालांकि, सभी यात्री बाल-बाल बच गए, लेकिन पूरी बस जलकर खाक हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आगरा से नोएडा जा रही एक निजी बस में एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर 64 के पास अचानक आग लग गई। बस में करीब 48 यात्री सवार थे। अग्निशमन अधिकारी किशन लाल ने बताया, "बस के चालक ने इंजन से धुआं निकलते देखा। बस रोककर जांच की तो इंजन में आग लग चुकी थी। उसने तुरंत यात्रियों को सतर्क किया और उन्हें सुरक्षित बाहर निकलने में मदद की।" उन्होंने बताया कि आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। लाल ने बताया कि मौके पर दमकल की चार गाड़ियां भेजी गईं और करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

### जमीन बंटवारे के विवाद में दो भाइयों ने की पिता की हत्या

**कौशांबी।** जिले के महेवा घाट थाना क्षेत्र में कथित तौर पर जमीन के बंटवारे को लेकर दो सगे भाइयों ने अपने पिता की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि अजरौली गांव निवासी नथन सरोज (60) की शनिवार देर शाम खेत से घर लौटते समय उनकी पहली पत्नी के बेटों झुरई और लवलेश ने कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि वारदात के बाद दोनों ने शव को छिपाने की कोशिश की, जिसे पुलिस ने खेत से बरामद कर लिया। कुमार ने बताया कि नथन सरोज की दो शादियां हुई थीं। पहली पत्नी कलुटिया से झुरई और लवलेश तथा दूसरी पत्नी सावित्री से राहुल नामक एक पुत्र है। उन्होंने कहा, "झुरई और लवलेश चाहते थे कि उनके पिता अपनी जमीन में राहुल को हिस्सा न दें, लेकिन नथन सरोज ने राहुल को अपनी जमीन का एक-तिहाई हिस्सा दे दिया था। इसी बात को लेकर दोनों नाराज थे और शनिवार शाम कुल्हाड़ी से वार कर पिता की हत्या कर दी।" पुलिस अधीक्षक ने बताया कि नथन की दूसरी पत्नी के बेटे राहुल की तहरीर पर झुरई और लवलेश के खिलाफ मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले में विधिक कार्रवाई जारी है।

### पुलिस हिरासत से फरार चोर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

**झांसी।** शहर कोतवाली पुलिस ने हिरासत से फरार हुए चोर को रविवार सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से आरोपी घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नगर पुलिस अधीक्षक प्रीति सिंह ने बताया कि

शनिवार मध्य रात्रि शहर कोतवाली पुलिस द्वारा की जा रही वाहन चेकिंग के दौरान एक सूचना पर नगरिया कुआं के पास एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान उसने पुलिस दल पर गोली चला दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी गोलीबारी में मोटरसाइकिल सवार युवक पैर में गोली लगने से घायल हो गया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। सिंह ने बताया कि आरोपी की पहचान दतिया (मध्यप्रदेश) निवासी नदीम खान (19) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि एक चोरी के मामले में पकड़ा गया खान 16 मार्च को मेडिकल जांच के समय जिला अस्पताल से पुलिस हिरासत से फरार हो गया था। सिंह ने बताया कि खान के खिलाफ पहले से ही कम से कम छह आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

### शादी समारोह में मांसाहार खाने के बाद 30 से अधिक लोग बीमार

**बाराबंकी।** जिले के देवा थाना क्षेत्र के मोहल्ला लालापुर में एक शादी समारोह के दौरान मांसाहार खाने के बाद 30 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शनिवार को हुई, जब खाना खाने के कुछ ही समय बाद लोगों को अचानक उल्टी-दस्त शुरू हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने सभी पीड़ितों को इलाज के लिए देवा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवधेश यादव भी मौके पर पहुंचे और अपनी देखरेख में उपचार शुरू कराया। उन्होंने बताया कि कस्बे के मोहल्ला लालापुर में शनिवार को बारात आई थी, जिसमें विभिन्न प्रकार के मांसाहारी व्यंजन परोसे गए थे। इन्हें खाने के लगभग आधे घंटे बाद कई लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जिन लोगों की हालत में सुधार हो गया है, उन्हें घर भेजा जा रहा है जबकि अन्य का इलाज जारी है। स्वास्थ्य विभाग इस मामले में खाद्य विषाक्तता की आशंका को लेकर गहन जांच कर रहा है।

### पेड़ से बस टकराने से अयोध्या से बलिया लौट रहे 40 श्रद्धालु घायल

**मऊ।** जिले के हलधरपुर थाना इलाके में शनिवार देर रात को अयोध्या से बलिया लौट रहे श्रद्धालुओं की बस के पेड़ से टकराने से महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 40 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना लगभग देर रात डेढ़ बजे हलधरपुर पुलिस थाना क्षेत्र के रतनपुरा-मुबारकपुर मार्ग पर हुई, जब चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और बस सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर के प्रभाव से बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) संजय गुप्ता ने बताया कि इस दुर्घटना में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों समेत लगभग 40 यात्री घायल हुए हैं। दुर्घटना के बाद स्थानीय ग्रामीण पीड़ितों की सहायता के लिए मौके पर पहुंचे और उन्हें जोगापुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। घायलों को बाद में मऊ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज हो रहा है।

# मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर किसानों को मुआवजा मिलना शुरू

## बारिश से फसलों को हुए नुकसान का दिया जा रहा मुआवजा

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में मार्च के दूसरे पखवारे से मौसम में आये अचानक बदलाव से सबसे अधिक नुकसान फसलों का हुआ है। असमय बारिश, तेज हवाएं और ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी गेहूं और सरसों की फसलों की हालात देख किसान दुःखी हैं। कुछ ऐसा ही हाल आलू उत्पादक किसानों का है। इतना ही नहीं मौसम में अभी एक अप्रैल तक और बदलाव होने का पूर्वानुमान है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को राहत देने के लिए विभागीय अधिकारियों को फसलों के नुकसान का आकलन कर मुआवजा वितरण के निर्देश दिए हैं। अब तक 10 हजार किसानों को 4.60 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जा चुका है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने प्रदेश में अचानक बदले मौसम में बारिश, अंधड़ और ओला वृष्टि से हुए नुकसान का आकलन कर किसानों को राहत देने का काम शुरू कर दिया है।

जिलाधिकारियों को असमय बारिश से किसानों की बर्बाद हुई फसल की जानकारी लेने के निर्देश देते हुए कहा गया है कि राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी संयुक्त सर्वे कराकर फसल नुकसान की स्थिति से शासन को अवगत कराएं। फसलों की हुई क्षति का आकलन की रिपोर्ट तैयार होते ही मुआवजा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। किसानों का भुगतान समयबद्ध ढंग होगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा किसानों को हुए नुकसान में उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने प्रमुख सचिव (कृषि) और राहत आयुक्त को भी निर्देश दिया कि जमीन स्तर पर तैनात अधिकारियों से संपर्क और समन्वय बनाकर फसलों को हुई क्षति का आकलन कर मुआवजा वितरण की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए। भुगतान समयबद्ध ढंग से हो।

**आकलन के बीच किसानों को मुआवजा वितरण काम शुरु**

कृषि विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में बेमौसम बारिश से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। 15 मार्च से असमय बारिश शुरु हुई और तब से लेकर अब काफी फसलों का नुकसान हो चुका है। अनुमान है कि 15 हजार किसानों की 4300 हेक्टेयर फसलें खराब हुई हैं। इनमें से 244.23 हेक्टेयर फसल ओले गिरने और 4053.11 हेक्टेयर फसल भारी बारिश की वजह से खराब हुई। अब तक 10, 278 किसानों को 4 करोड़ 60 लाख रुपये मुआवजे के रूप में प्रदान किए जा चुके हैं। जैसे जैसे आकलन रिपोर्ट आती जाएगी, उसी के अनुरूप शेष प्रभावित किसानों को आने वाले दिनों में और तेजी से मुआवजा वितरण किया जाएगा।

**29 मार्च से एक अप्रैल तक हल्की बारिश के आसार**

उत्तर प्रदेश में आज रविवार 29 मार्च से एक अप्रैल तक हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान है। इससे तापमान 4-5 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। इतना ही नहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में मेघगर्जन व वज्रपात होने का भी अलर्ट जारी किया है। प्रदेश के तीन दर्जन से अधिक जिलों में सुबह से बादल छाए हुए हैं और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि 29 मार्च से एक अप्रैल के मध्य इस दौरान लगभग 30-40 किमी. प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा भी चलेगी और प्रदेश में कई स्थानों में हल्की से मध्यम बारिश के पूर्वानुमान हैं। इसका असर राज्य के 50 से अधिक जिलों में होने वाला है।

मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि निवर्तमान पश्चिमी विक्षोभ के पूर्वी दिशा में आगे बढ़ने के साथ ही बिहार सीमा से लगे पूर्वांचल के सीमावर्ती जिलों को छोड़कर प्रदेश के शेष भाग में मौसम साफ़ होने की संभावना है। हालांकि ईरान के आसपास संकेन्द्रित पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव पहुँचने से पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 29 मार्च तक जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 30 मार्च तक अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक बढ़ोत्तरी होने की संभावना है| उन्होंने बताया कि रविवार 29 अप्रैल को नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो रहा है। इससे बारिश का नया दौर शुरू होगा। शुरुआत पश्चिमी उत्तर प्रदेश से होगी। कई जिलों में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ेंगी। कुछ जगहों पर बिजली गिरने की भी आशंका है।

### मुख्यमंत्री आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं को देंगे नियुक्ति पत्र

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र देंगे। एक आधिकारिक बयान में रविवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री सोमवार को लोकभवन सभागार में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की महिला सशक्तीकरण, बाल विकास और रोजगार सृजन को नई गति देने वाली कई बड़ी पहल की शुरुआत करेंगे। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की निदेशक सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सोमवार को लोकभवन के सभागार में 10 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को 'ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस' वितरित किए जाएंगे, जिनमें स्टैडियोमीटर, इन्फैंटोमीटर और मदर एंड चाइल्ड वेटिंग स्केल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भर में कुल 1,33,282 स्टैडियोमीटर, 10,553 इन्फैंटोमीटर और 58,237 वेटिंग स्केल वितरित किए जाएंगे, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की निगरानी और अधिक सटीक व प्रभावी हो सकेगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा 10 नवचयनित आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया जाएगा जबकि 46 जिलों में जनप्रतिनिधियों द्वारा 739 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा 42 जिलों में 15,203 सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा।

## मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचें, खेलकूद और पढ़ाई में संतुलन से निखरेगा भविष्यः अनुप्रिया पटेल

**मीरजापुर।** लहगंपुर क्षेत्र के राजापुर स्थित संत आत्माराम पब्लिक स्कूल में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि स्कूली शिक्षा उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने बच्चों को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचने और पढ़ाई के साथ खेलकूद को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी।

कार्यक्रम में केंद्रीयमंत्री से छात्रों ने बेझिझक सवाल पूछे, जिनमें मोबाइल का उपयोग प्रमुख रहा। इस पर उन्होंने कहा कि अभिभावकों की सलाह मानना और समय का सही उपयोग करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने बच्चों को खेल मैदान में सक्रिय रहने और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने की प्रेरणा दी, जिससे शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का विकास हो सके। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामूहिक सोच, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का केंद्र भी है। पढ़ाई के साथ खेल व अन्य गतिविधियों में भागीदारी से व्यक्तित्व का समग्र विकास संभव है। विधायक रिंकी कोल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में अपार प्रतिभा है, जो निरंतर निखर रही है। उन्होंने छात्राओं की प्रगति को सराहनीय बताते हुए उन्हें आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य राजकुमार पटेल ने किया। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव रमाशंकर पटेल, रमाकांत पटेल, लाल बहादुर पटेल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र सिंह यादव, सुरेंद्र पटेल सहित शिक्षक व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

### जन संवाद में केंद्रीय मंत्री ने सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

**मीरजापुर।** अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन-उर्वरक) अनुप्रिया पटेल ने रविवार को सरदार पटेल चौराहा स्थित सांसद जनसंपर्क कार्यालय में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों व एनडीए पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

केंद्रीय मंत्री ने एक-एक कर लोगों की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर तत्काल निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जन समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से हल किया जाए। जन संवाद कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास, बिजली, शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी

समस्याएं प्रमुख रूप से उठाई गईं। इस मौके पर जिलाध्यक्ष समेत भाजपा, अपना दल (एस) के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और जिले के प्रमुख व्यवसायी उपस्थित रहे।

## ऊर्जा मंत्री ने की योजनाओं की विस्तृत समीक्षा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

**लखनऊ।** नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने रविवार को लखनऊ स्थित संगम सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ स्वीकृत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की गहन एवं विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट और सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिन अधिशासी अधिकारियों (ईओ) एवं परियोजना अधिकारियों (पीओ, डूडा) के स्वीकृत योजनाओं के सापेक्ष विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) समय से तैयार कर शासन को प्रेषित नहीं की जा रही है, उनके विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

मंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि सभी नगरीय योजनाएं तय समय सीमा के भीतर धरातल पर उतरें और आम जनता को उनका लाभ शीघ्र प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही, उदासीनता या कार्य में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना, मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना, वंदन योजना, पेयजल योजना, कान्हा गौशाला योजना, उपवन योजना तथा आदर्श नगर पालिका योजना सहित अन्य प्रमुख योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। प्रत्येक योजना के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, डीपीआर तैयार करने की प्रगति, वित्तीय स्वीकृति, कार्यारंभ एवं पूर्णता की समयसीमा पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री शर्मा ने निर्देशित किया कि सभी ईओ एवं पीओ (डूडा) अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित डीपीआर को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करें और समय से शासन को प्रेषित करें, ताकि स्वीकृत परियोजनाओं पर कार्य शीघ्र प्रारंभ कराया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। मंत्री शर्मा ने अधिकारियों से कहा कि सभी परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और किसी भी प्रकार की बाधा आने पर उसका त्वरित समाधान किया जाए।

## मिशन शक्ति के तहत मैराथन दौड़, नारी सुरक्षा-सम्मान का दिया संदेश

**मीरजापुर।** मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत रविवार को पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में मीरजापुर पुलिस ने मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।

दौड़ रमईपट्टी चौराहा से शुरू होकर पुलिस लाइन में समाप्त हुई। कार्यक्रम में महिला आरक्षियों के साथ महिला उपनिरीक्षक व निरीक्षक भी शामिल हुईं और प्रतिभागियों के साथ दौड़ लगाई। मैराथन का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना, उनके अधिकारों व सम्मान के प्रति जागरूकता बढ़ाना। "नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन" का संदेश जन-जन तक पहुंचाना रहा।

पुलिस विभाग की इस पहल को मिशन शक्ति के उद्देश्यों की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है। इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक, महिला थाना प्रभारी, महिला सम्मान प्रकोष्ठ प्रभारी, प्रभारी डायल-112, प्रभारी यातायात सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

### अधेड़ महिला ने अपार्टमेंट के सातवीं मंजिल से कूद कर दी जान

**वाराणसी।** शिवपुर थानाक्षेत्र के केन्द्रीय कारागार रोड स्थित अवध अपार्टमेंट के सातवीं मंजिल से रविवार को बंदोबस्त अधिकारी की पत्नी ने छलांग लगाकर अपनी जान दे दी। सूचना पाकर शिवपुर पुलिस के साथ अफसर भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार सेंट्रल जेल मार्ग पर स्थित अवध अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल के एक फ्लैट में सुल्तानपुर जिले में तैनात चकबंदी विभाग के बंदोबस्त अधिकारी पंकज कुमार परिवार व बच्चों के साथ रहते हैं। उनकी पत्नी सीमा सिन्हा (50) इन दिनों डिप्रेशन की शिकार थी। उनका इलाज शिवपुर क्षेत्र के एक चिकित्सक के यहां चल रहा था। सीमा सिन्हा तड़के अपने कमरे के रेलिंग को फांदकर नीचे कूद गई। महिला को जमीन पर गिरा देख कर गार्ड ने शोर मचाया। आनन-फानन में वहां जुटे लोगों ने परिजनों को इसकी जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी नीचे आए और पुलिस को सूचना दी। पूछताछ में मृत महिला के पति पंकज कुमार ने बताया कि पिछले कई वर्षों से सीमा का डिप्रेशन का इलाज चल रहा था। शिवपुर थाना प्रभारी के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अन्य पहलुओं पर मामले की जांच हो रही है।

## भीषण हादसाः कंटेनर चालक समेत दो की मौत

**मीरजापुर।** ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ड्रमंडगंज घाटी में शनिवार देर रात कोल्डड्रिंक लदे कंटेनर का ब्रेक फेल होने से भीषण सड़क हादसा हो गया। अनियंत्रित कंटेनर ने आगे चल रही कार, मोटरसाइकिल और एक अन्य कंटेनर में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कंटेनर चालक समेत दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि खलासी सहित तीन लोग घायल हो गए। बताया गया कि मध्य प्रदेश के इंदौर से कोल्डड्रिंक लादकर असम के गुवाहाटी जा रहा कंटेनर रात करीब साढ़े दस बजे ड्रमंडगंज घाटी में नीचे उतर रहा था।

जालिम मोड़ के पास अचानक ब्रेक फेल हो गया, जिससे कंटेनर अनियंत्रित हो गया। सबसे पहले उसने आगे चल रही कार को टक्कर मारी। कार सवार लोग मैहर से दर्शन कर सोनभद्र लौट रहे थे। वे सभी बाल-बाल बच गए। इसके बाद कंटेनर ने एक बाइक को टक्कर मारते हुए करीब 400 मीटर आगे बढ़कर दूसरे कंटेनर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में 35 वर्षीय चालक अरविंद कुमार (निवासी मिलक, रामपुर) और 50 वर्षीय

लालता यादव (निवासी चंदौली) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं जान बचाने के लिए कूदे खलासी हिम्मत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। बाइक सवार अजय कुमार बिंद और उनके भाई विजय कुमार बिंद (निवासी भदोही) भी हादसे में घायल हो गए, जिनमें विजय की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सूचना पर थानाध्यक्ष भारत सुमन पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस से पीएचसी हलिया भेजा, जहां से गंभीर घायलों को मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

## प्रयागराज की खेलो इंडिया महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता में स्पोर्ट्स स्टेडियम विजेता, इविवि की टीम बनी उपविजेता

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में तेलियरगंज स्थित पतंजलि ऋषिकुल स्कूल में डिसंट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन की ओर से दो दिवसीय अस्मिता खेलो इंडिया महिला प्रयागराज वॉलीबाल लीगश रविवार को भी सम्पन्न हुई। जिसमें मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय की टीम को 25-21, 19-25 व 25-23 अंकों से हराकर प्रयागराज महिला वॉलीबाल की चैम्पियनशिप ट्रॉफी पर अपना कब्जा कर लिया। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल का प्रदर्शन किया।

खेलो इंडिया महिला प्रयागराज लीग का फाइनल मुकाबला इलाहाबाद विश्वविद्यालय और मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम के बीच खेला गया। इसके पूर्व खेले गए प्रतियोगिता के पहले सेमीफाइनल मैच में इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर को 25-21 व 25-18 अंकों से तथा दूसरे सेमीफाइनल मैच में मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम ने पंतजलि ऋषिकुल तेलियरगंज को 25-16 व 25-18 अंकों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। फाइनल मैच के पूर्व प्रतियोगिता का हार्डलाइन मैच पतंजलि ऋषिकुल और केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर के बीच खेला गया, जिसमें पतंजलि ऋषिकुल ने केंद्रीय विद्यालय इफको फूलपुर को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी जॉर्डन.एच.नाथ की अध्यक्षता में हुई।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी ने फाइनल मैच शुरू होने से पूर्व दोंनो टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। डिसंट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक करछना आंनद कुमार उर्फ कलेक्टर पांडेय ने विजेता टीम मदन मोहन मालवीय स्पोर्ट्स स्टेडियम को चैम्पियन शील्ड व मेडल तथा उपविजेता टीम इलाहाबाद विश्वविद्यालय की टीम को शील्ड व मेडल और निर्णायकों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं मेजबान विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं प्रतियोगिता के संयोजक नित्यानंद सिंह ने विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किया।

डीवीए के कोषाध्यक्ष के. बी. एल. श्रीवास्तव ने अतिथियों का बैच व माल्यार्पण कर स्वागत किया। प्रतियोगिता के दौरान नेशनल रेफरी अल्ताफ अली व फूलचंद गुप्ता के साथ मुकेश शुक्ला, अकांत गुप्ता, निहारिका यादव, संतोष कुमार, धन्नजय राय व आर.पी.राय ने निर्णायक की भूमिका अदा की।

## उत्तर प्रदेश में सोमवार से 3574 क्रय केंद्र पर शुरू होगी गेहूं खरीद

**लखनऊ।** रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए उत्तर प्रदेश में गेहूं खरीद सोमवार से शुरू होकर 15 जून तक चलेगी। गेहूं खरीद शुरू होने से पहले ही 2.24 लाख से अधिक किसानों ने बिक्री के लिए पंजीकरण करा लिया है। किसानों को गेहूं बिक्री में परेशानी न हो, इसके लिए प्रदेश में अब तक 3574 क्रय केंद्र भी स्थापित कर लिए गए हैं। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपये प्रति कुंतल तय किया गया है, जो पिछले साल की तुलना में 160 रुपये प्रति कुंतल अधिक है।

प्रदेश में खाद्य विभाग की विपणन शाखा सहित कुल 08 एजेंसियों द्वारा 6500 क्रय केंद्र स्थापित होंगे। योगी सरकार के निर्देश पर तेजी से कार्य भी प्रारंभ हो गए हैं। गेहूं खरीद सोमवार से प्रारंभ होगी, लेकिन इसके पहले ही प्रदेश में 3574 क्रय केंद्र स्थापित कर लिए गए हैं। क्रय केंद्र सुबह 9 से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त निर्देश दिया है कि क्रय केंद्रों पर बिक्री के लिए आने वाले किसानों को किसी भी सूरत में परेशानी नहीं होनी चाहिए। मौसम को देखते हुए उनके लिए छाया, पानी व बैठने समेत हर जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएं।

किसानों ने इस साल काफ़ी अच्छी फसल तैयार की है। इसके लिए कृषि विभाग ने उन्हें पर्याप्त मात्रा में बीज भी उपलब्ध कराए थे। सरकार ने निर्देशित किया है कि पर्याप्त मात्रा में खरीद कर ली जाए, जिससे किसानों को किसी प्रकार का नुकसान न उठाना पड़े। खाद्य व रसद विभाग ने 30 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा था, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे 50 लाख मीट्रिक टन किए जाने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने 48 घंटे के भीतर डीबीटी के माध्यम से किसानों को भुगतान के भी निर्देश दिए हैं। बिचौलियों का हस्तक्षेप न रहे, इसलिए सारा सिस्टम ऑनलाइन कर दिया गया है।

# चेन्नई और राजस्थान के मुकाबले में अपनी पूर्व टीमों के सामने खेलेंगे सैमसन, जडेजा

**गुवाहाटी।** पिछले एक दशक से अधिक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रहे संजू सैमसन अब इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में सोमवार को उसी टीम के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में नजर आयेंगे जबकि चेन्नई टीम का हिस्सा रहे रविंद्र जडेजा अब रॉयल्स के लिये खेलने जा रहे हैं ।

पिछले दस साल से अधिक समय से सैमसन रॉयल्स टीम के कप्तान और स्टार बल्लेबाज रहे हैं । उनकी कप्तानी में रॉयल्स 2022 में फाइनल तक पहुंची थी । जिस तरह से चेन्नई की पहचान महेंद्र सिंह धोनी हैं, वैसे ही रॉयल्स की पहचान सैमसन बन गए थे लेकिन इस सत्र से पहले हुई अदला बदली में अब जडेजा रॉयल्स के लिये खेलेंगे और भारत की टी20 विश्व कप जीत के नायक रहे सैमसन चेन्नई टीम का हिस्सा होंगे ।

संजू सैमसन ने टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी तीन मैचों में 50 से अधिक रन बनाकर भारत की खिताबी जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाई । वह चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरूआत करेंगे और टीम के कोर नेतृत्व का भी हिस्सा होंगे चूंकि धोनी फिटनेस कारणों से कम से कम दो सप्ताह नहीं खेल पायेंगे । धोनी टीम के साथ गुवाहाटी नहीं आये हैं और उनकी गैर मौजूदगी में सैमसन तथा गायकवाड़ पर नजरें रहेंगी । धोनी की गैर मौजूदगी में 20 साल के बायें हाथ के स्पिनर हरफनमौला प्रशांत वीर को मौका मिल सकता है जिन्होंने घरेलू टी20 मैचों में प्रभावित किया। उनके अलावा 14 .2 करोड़ रूपये में खरीदे गए कार्तिक शर्मा भी फोकस में होंगे जो घरेलू सर्किट में छक्के लगाने के अपने हुनर के लिये जाने जाते हैं । चेन्नई की बल्लेबाजी मजबूत लग रही है चूंकि डेवाल्ड ब्रेविस अब परिपक्व हो चले हैं जबकि शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं । युवा आयुष म्हात्रे भी तेजी से निखरते जा रहे हैं। गेंदबाजी में नूर अहमद , अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद जिम्मेदारी संभालेंगे। रॉयल्स के लिये सैमसन का जाना एक युग का अंक है और रियान पराग की कप्तानी में एक नये दौर की शुरूआत है जो अपने घरेलू मैदान से कप्तानी की शुरूआत करेंगे। जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढा है। उनकी बल्लेबाजी का दारोमदार यशस्वी जायसवाल पर रहेगा । उनके साथ युवा वैभव सूर्यवंशी और फॉर्म में चल रहे शिमरोन हेटमायेर हैं।

रॉयल्स के लिये चिंता का सबब उसकी गेंदबाजी है। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं लेकिन जोफ्रा आर्चर की अगुवाई में तेज गेंदबाजों को निरंतरता पर काम करना होगा। स्पिन का जिम्मा जडेजा और रवि बिश्नोई संभालेंगे । पिछले सत्र में चेन्नई आखिरी स्थान पर और रॉयल्स नौवें स्थान पर रही थी।

## टीम इस प्रकार हैं

- **राजस्थान रॉयल्स :** रियान पराग (कप्तान ), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा ।
- **चेन्नई सुपर किंग्स :** रूतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे , आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

**मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।**

# नवनीत कौर ने प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलने पर जताई खुशी, टीम को किया समर्पित

**मियामी।** मियामी ओपन 2026 के फाइनल में विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए घरेलू खिलाड़ी कोको गॉफ को शनिवार रात 6-2, 4-6, 6-3 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने इस जीत के साथ इतिहास रच दिया और 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाली दुनिया की पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गईं। 'सनशाइन डबल' में इंडियन वेल्स ओपन और मियामी ओपन दोनों खिताब लगातार जीतना शामिल होता है।

मैच की बात करें तो सबालेंका ने पहले सेट में 2-0 की बढ़त लेते हुए दबदबा बनाया और आसानी से सेट 6-2 से जीत लिया। दूसरे सेट में कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां गॉफ ने एकमात्र ब्रेक हासिल कर 6-4 से सेट अपने नाम कर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचाया। तीसरे सेट में सबालेंका ने फिर से नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने शुरुआती गेम में ही ब्रेक किया और लगातार शानदार सर्विस गेम खेलते हुए 5-3 की बढ़त बनाई। अंत में गॉफ की बैकहैंड गलती के साथ सबालेंका ने मैच अपने नाम कर लिया। पूरे मैच में सबालेंका ने अपने पहले सर्व पर 73 प्रतिशत अंक जीते और उन्हें सिर्फ दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा।

खास बात यह रही कि वह फाइनल तक बिना एक भी सेट गंवाए पहुंची थीं। इस उपलब्धि के साथ सबालेंका ने इगा स्वियातेक, विक्टोरिया अजारेंका, किम क्लाइस्टर्स और स्टेफी ग्राफ जैसे दिग्गजों की सूची में अपना नाम दर्ज करा लिया। इसके अलावा, सबालेंका का इस साल का रिकॉर्ड अब 23-1 हो गया है। उनकी एकमात्र हार ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में एलेना राइबाकिना के खिलाफ आई थी, जिसका बदला उन्होंने इंडियन वेल्स फाइनल और मियामी सेमीफाइनल में चुका लिया।

# भारोत्तोलक इसाक ने चोटों से उबरकर खेलो इंडिया ट्राइबल खेलों में स्वर्ण जीता

**रायपुर।** मिजोरम के युवा वेटलिफ्टर इसाक मालसावमटलुआंगा 16 साल की उम्र पूरी करने से पहले ही अपने माता-पिता दोनों को खोने के बाद लगभग खेल छोड़ने की कगार पर पहुंच गए थे। इस दोहरी त्रासदी ने इस मिजो किशोर को अंदर तक तोड़ दिया था, लेकिन उनके बचपन के कोच और चाचा-चाची के सहारे ने उनके खेल करियर को संभाल लिया।

18 वर्षीय इसाक ने कड़ा संघर्ष करते हुए खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपने परिवार को गर्व महसूस कराया। पीठ की तकलीफ से जूझते हुए भी इसाक ने क्लीन एंड जर्क में शानदार प्रदर्शन किया। स्नैच में दूसरे स्थान पर रहने के बाद उन्होंने कुल 235 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जीत के तुरंत बाद उनके चाचा ने उन्हें गले लगा लिया, जो इस युवा खिलाड़ी के जीवन में एक मार्गदर्शक की तरह रहे हैं।

इसाक के पिता हेमिंग मालसावमटलुआंगा की 2018 में एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, उसी साल उन्होंने वेटलिफ्टिंग की शुरुआत की थी। परिवार के इकलौते बेटे होने के कारण उनके सामने यह सवाल खड़ा हो गया था कि वह खेल जारी रखें या परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के लिए कमाई पर ध्यान दें।

इसाक ने साई मीडिया से बातचीत में बताया," उस समय मेरे बचपन के कोच सोमा ने मुझे बहुत प्रेरित किया और वेटलिफ्टिंग जारी रखने के लिए कहा।"

# भारतीय मुक्केबाजों की नजरें एशियाई चैम्पियनशिप में मजबूत शुरूआत पर

**उलानबटोर (मंगोलिया)।** भारतीय मुक्केबाज सोमवार से यहां शुरू हो रही एशियाई चैम्पियनशिप में अच्छा प्रदर्शन करके आगामी व्यस्त सत्र में हर मौके का पूरा फायदा उठाकर साल के आखिर में होने वाले बहु खेल टूर्नामेंटों के लिये सीधे कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे ।

इस टूर्नामेंट के जरिये नये व्यस्त सत्र की शुरूआत होगी जिसमें जुलाई अगस्त में ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेल, सितंबर . अक्टूबर में जापान में एशियाई खेल और उजबेकिस्तान में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स होने हैं। इस चैम्पियनशिप के जरिये मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिये सीधे क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम पिछले 15 दिन से मंगोलिया में है और मंगोलिया, चीन, जोर्डन, थाईलैंड के मुक्केबाजों के साथ अभ्यास कर रही है । महिला वर्ग में भारतीय चुनौती की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किलो ), दो बार की विश्व चैम्पियन निकहत जरीन (51 किलो ) , मौजूदा विश्व चैम्पियन मीनाक्षी हुड्डा (48 किलो ) और जैसमीन लंबोरिया (57 किलो ) करेंगी लवलीना ने फरवरी में स्पेन में बॉक्सेम इंटरनेशनल जीता था। वहीं निकहत, मीनाक्षी और जैसमीन नवंबर के बाद पहला टूर्नामेंट खेलेंगी।

भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच सैंटियागो नीवा ने कहा कि एशियाई चैम्पियनशिप कठिन परीक्षा होगी । हमें पता है कि पिछले एक दशक में एशियाई मुक्केबाजी का स्तर काफी बेहतर हुआ है और दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से कई एशिया से हैं। उन्होंने कहा कि हमारा इतिहास बताता है कि हम पदक जीत सकते हैं।

हमारी नजरें कई पदकों पर है जिसके लिये हमारे मुक्केबाजों का फाइनल में पहुंचना जरूरी है। भारतीय पुरूष टीम पिछले साल विश्व चैम्पियनशिप में मिली नाकामी का गम दूर करना चाहेगी जहां 12 साल में पहली बार एक भी भारतीय पुरूष मुक्केबाज पदक नहीं जीत सका था। भारत के कोचिंग ढांचे में भी बदलाव हुआ है और तीसरी बार सी ए कुटप्पा मुख्य कोच के रूप में लौटे हैं । भारतीय पुरूष टीम की उम्मीदों का दारोमदार विश्व कप पदक विजेता जादूमणि सिंह (55 किलो) और सचिन सिवाच (60 किलो ) पर रहेगा।

## भारतीय टीम

- **महिला :** मीनाक्षी (48 किलो), निकहत जरीन (51 किलो ), प्रीति पवार (54 किलो ), जैसमीन लंबोरिया (57 किलो), प्रिया (60 किलो), अंकुशिता बोरो (65 किलो), अरूंधति चौधरी (70 किलो), लवलीना बोरगोहेन (75 किलो), पूजा रानी (80 किलो ), अल्फिया तरन्नुम (80 प्लस किलो )
- **पुरूष :** विश्वनाथ सुरेश (50 किलो), जादूमणि सिंह (55 किलो ), सचिन (60 किलो), आदित्य प्रताप यादव (65 किलो), दीपक (70 किलो), आकाश (75 किलो), अंकुश (80 किलो), लोकेश (85 किलो), हर्ष चौधरी (90 किलो), नरेंदर बेरवाल (90 प्लस किलो )

# सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.75 लाख करोड़ रुपये घटा

**नई दिल्ली।** कम कारोबारी सत्रों वाले बीते सप्ताह के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1.75 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 949.74 अंक या 1.27 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 294.9 अंक या 1.27 प्रतिशत के नुकसान में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 89,720.3 करोड़ रुपये घटकर 18,24,515.62 करोड़ रुपये रह गया।

एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 37,248.59 करोड़ रुपये घटकर 11,64,018.69 करोड़ रुपये रह गई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में 35,399.42 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 9,41,569.15 करोड़ रुपये पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 8,121.76 करोड़ रुपये घटकर 8,83,551.30 करोड़ रुपये रह गया और भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 2,480.42 करोड़ रुपये घटकर 10,50,413.33 करोड़ रुपये पर आ गई।

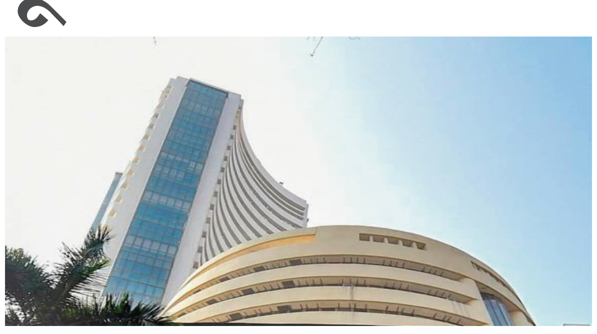

हिंदुस्तान युनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 2,091.13 करोड़ रुपये घटकर 4,87,540.19 करोड़ रुपये रहा, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 271.35 करोड़ रुपये घटकर 8,64,668.65 करोड़ रुपये पर आ गया।

इस रुख के उलट लार्सन एंड टुब्रो का बाजार मूल्यांकन 18,051.68 करोड़ रुपये बढ़कर 4,90,536.19 करोड़ रुपये हो गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 8,680.36 करोड़ रुपये बढ़कर 5,25,395.48 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 6,245.3 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5,15,034.67 करोड़ रुपये रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

## विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने मार्च में भारतीय शेयर बाजार से 1.14 लाख करोड़ रुपये निकाले

**नई दिल्ली।** विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने मार्च में अब तक घरेलू शेयर बाजार से 1.14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.3 अरब डॉलर) निकाले हैं। यह एफपीआई की भारतीय बाजार से सबसे बड़ी मासिक निकासी है। पश्चिम एशिया संघर्ष, कमजोर होता रुपया और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भारत की वृद्धि पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर विदेशी निवेशक आशंकित हैं, जिससे वजह से वे बिकवाली कर रहे हैं।

इस महीने का एक कारोबारी सत्र अभी बचा है, जिससे निकासी का आंकड़ा और बढ़ सकता है। इससे पहले अक्टूबर, 2024 में एफपीआई ने एक महीने में सबसे अधिक 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, इसके साथ ही एफपीआई 2026 में अब तक भारतीय शेयर बाजार से 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार, 27 मार्च तक एफपीआई ने 1,13,380 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो 17 माह का उच्चस्तर है। बाजार भागीदारों का कहना है कि एफपीआई वैश्विक आर्थिक प्रतिकूल परिस्थितियों और बढ़ी हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के चलते बिकवाल बने हुए हैं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में कमजोरी, रुपये में लगातार गिरावट, खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले भारतीय द्वारा भेजे जाने वाले धन में कमी की आशंका और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के भारत की वृद्धि और कंपनियों के लाभ पर असर पड़ने की चिंता के चलते एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं।

# उपभोक्ता आयोग का ओला इलेक्ट्रिक को ग्राहक का खराब स्कूटर बदलने या पूरा पैसा लौटाने का निर्देश

**मुंबई।** ठाणे के एक उपभोक्ता आयोग ने ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज को खराब इलेक्ट्रिक स्कूटर बदलने या पूरा पैसा ग्राहक को लौटाने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि यह कंपनी की ओर से 'गंभीर खामी' का मामला है। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (अतिरिक्त ठाणे) ने हाल ही के एक आदेश में कहा कि बेंगलुरु की यह विनिर्माता कंपनी 'अनुचित व्यापार व्यवहार' में शामिल है। आयोग ने कहा कि मामले को देखने पर पता चलता है कि उपयुक्त वाहन सही स्थिति में नहीं था और इसमें कई तरह की खामियां थीं। आयोग ने कहा, "शिकायत करने वाले को सही सेवा देकर समस्याओं को ठीक करना बहुत जरूरी था।" उसने कहा, "सेवा को लेकर आवश्यक जानकारी नहीं देना और वाहन से खराबी को दूर नहीं करना 'खामी' का मामला है।" शिकायत करने वाले नवी मुंबई के एक अधिवक्ता ने जुलाई, 2024 में 96,997 रुपये में ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदा था। शिकायतकर्ता के मुताबिक, डिलिवरी के सिर्फ दो दिन बाद गाड़ी में 'एक्सेलरेशन' में दिक्कतें आईं और चलते यातायात के बीच यह कई बार रुक गई। उन्होंने बताया कि 29 अगस्त, 2024 को सिर्फ 500 मीटर के अंदर बैटरी का स्तर 21 प्रतिशत से घटकर तीन प्रतिशत रह गया। जब कई बार बात करने के बाद भी मामला हल नहीं हुआ, तो अधिवक्ता ने कंपनी के खिलाफ सेवा में खामी को लेकर आयोग में अपील की। आयोग ने कहा कि बैटरी जल्दी खत्म होना और पहली बार इस्तेमाल में ही गाड़ी में आई दूसरी दिक्कतों से पता चलता है कि यह वाहन शुरू से ही खराब था। आयोग ने ओला इलेक्ट्रिक को ग्राहक को उसी खूबियां वाला दूसरा वाहन देने का निर्देश दिया है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो कंपनी को 96,997 रुपये की पूरी कीमत छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ वापस करनी होगी।

# पश्चिम एशिया संकट के बीच एयरलाइंस को राहत के लिए विभिन्न विकल्पों पर काम कर रहा है मंत्रालय

**नई दिल्ली।** नागर विमानन मंत्रालय एयरलाइन कंपनियों पर पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव को कम करने के लिए कई विकल्प तलाश रहा है। इसमें एक विकल्प राज्य सरकारों के साथ मिलकर विमान ईंधन (एटीएफ) पर कर को कम करना है। पश्चिम एशिया संघर्ष 28 फरवरी को शुरू हुआ था। उसके बाद हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंधों के चलते एयरलाइन कंपनियों की परिचालन लागत बढ़ रही है।

एक उच्चस्तरीय सूत्र ने कहा कि मंत्रालय बड़े प्रयासों के हिस्से के रूप में एयरलाइंस पर पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव को कम करने के लिए कई विकल्पों पर विचार कर रहा है। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू और मंत्रालय ने जेट ईंधन पर कर कम करने की संभावना को लेकर मुख्यमंत्रियों और राज्य सरकारों के साथ चर्चाएं शुरू की हैं। एयरलाइन की कुल परिचालन लागत में एटीएफ का हिस्सा करीब 40 प्रतिशत होता है। विभिन्न राज्यों में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर मूल्य वर्धित कर (वैट) अलग-अलग होता है।

उदाहरण के लिए, दिल्ली में जेट ईंधन पर वैट 25 प्रतिशत है जबकि पड़ोसी उत्तर प्रदेश में यह सिर्फ एक प्रतिशत है। पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते, एयरलाइन कंपनियों ने अपनी अनुसूचित सेवाओं को भी कम कर दिया है, विशेष रूप से उस क्षेत्र के लिए, और हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध उन्हें यूरोपीय और उत्तरी अमेरिकी के गंतव्यों के लिए लंबा मार्ग लेने के लिए मजबूर कर रहे हैं, जिससे ईंधन अधिक खर्च हो रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों के बीच, सरकार ने इस सप्ताह पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क घटा दिया है। डीजल और एटीएफ के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क बढ़ा दिया गया है।

यह कदम उनकी घरेलू उपलब्धता को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से लिया गया है। एक उच्च पदस्थ सूत्र के अनुसार, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) अन्य देशों के समकक्षों के साथ पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर संपर्क में है। डीजीसीए के प्रमुख फैज अहमद किदवई ने 26 मार्च को कहा था कि एयरलाइन कंपनियों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और उनके संचालन की लागत बढ़ रही है। उन्होंने आगे स्थिति में सुधार की उम्मीद जताई थी।

# बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन में सुधार, मूंगफली स्थिर

**नई दिल्ली।** आवक कम रहने, डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने के साथ-साथ शादी-विवाह के मौसम की मांग बढ़ने से देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह अधिकांश खाद्य तेल-तिलहनों की कीमतों में मजबूती दर्ज हुई और सरसों और सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतें मजबूती दर्शाती बंद हुईं।

ऊंचे दाम के कारण सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह संभवतः पहली बार हरियाणा में सोयाबीन तेल के मुकाबले सरसों का दाम नीचे है। सोयाबीन तेल का दाम 165 रुपये किलो है जबकि सरसों तेल का दाम 148.25 रुपये किलो है। इसके अलावा सरसों तेल बगैर प्रसंस्करण के सीधे खाया जाता है। सस्ता होने से सरसों की मांग भी अधिक है। समीक्षाधीन सप्ताह से पहले के हफ्ते में जो आवक 10 लाख बोरी सरसों की हो रही थी वह बीते सप्ताह घटकर लगभग छह लाख 75 हजार बोरी की रह गई।

इस परिस्थितियों के बीच बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत रहे। उन्होंने कहा कि 31 मार्च के नजदीक आने के कारण कारोबारी लेखाबंदी के काम में जुटे हैं जिससे गतिविधियों में अपेक्षाकृम कमी आई है। लेकिन शादी-विवाह के मौसम की मांग है। उन्होंने कहा कि विदेशों में खाद्य तेलों के दाम मजबूत हुए हैं और इस तेजी के बीच देशी तेल-तिलहन ही फिलहाल परिस्थितियों को संभाल रहे हैं। मौजूदा स्थिति हमारे लिए सबक है कि देशी तेल-तिलहनों का उत्पादन बढ़ाना बेहद जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता को कम से कम किया जा सके। मौजूदा स्थिति में सरसों, सोयाबीन, कपास नरमा (नरमा से मिलने वाला बिनौला) जैसी फसल ही स्थिति को काबू में रखे हैं। लेकिन लगभग 60 प्रतिशत की आयात पर निर्भरता को देखते हुए देश में खाद्य तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए जरूरी है कि इनके बाजार को विकसित करने की ओर काफी गंभीरता से ध्यान दिया जाये।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

### किसी को प्रभावित करने की कोशिश मत करो

# कंगना रनौत ने दिया फैंस को जिंदगी जीने का मूलमंत्र

**मुंबई।** संसद से लेकर सोशल मीडिया पर बेबाक राय रखने वाली भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। रविवार को उन्होंने अपने फैंस को मोटिवेट करते हुए अपने विचार शेयर किए। अभिनेत्री का कहना है कि दूसरों को प्रभावित करने में जिंदगी निकाल देना गलत है। कंगना हमेशा हर विषय पर खुलकर राय रखती हैं और यही बातें उन्हें दूसरों से अलग बनाती हैं। अभिनेत्री ने खुद को तवज्जो देने की बात कही और बताया कि लोग क्यों किसी को पसंद और नापसंद करते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, "आज का विचार३ लोग आपको इसलिए पसंद नहीं करते, क्योंकि आप दयालु, सफल या उदार हैं। वे आपको इसलिए पसंद करते हैं, क्योंकि वे खुद दयालु, सफल और उदार हैं। किसी को प्रभावित करने की कोशिश मत करो। वे तभी प्रभावित होंगे जब वे खुद प्रभावशाली होंगे।" अभिनेत्री ने आगे लिखा, दूर रहो क्योंकि अगर तुम बहुत ज्यादा कोशिश करोगे तो वे तुमसे नफरत करने लगेंगे। अपना समूह ढूंढो, वहां बसने की कोशिश मत करो,जहां तुम अस्थिर महसूस करते हो। उठो और चमको।" कंगना सिनेमा की वो अभिनेत्री हैं जिन्होंने बिना किसी गॉडफादर के सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है और संसद तक का सफर पूरा किया है। उन्होंने किसी भी परिस्थिति में हार मानना नहीं सीखा है। राजनीति में आने से पहले उन्होंने सिनेमा में फैले नेपोटिज्म पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने निर्माताओं और निर्देशकों पर भी आरोप लगाए कि वे सिर्फ अपने करीबी दोस्तों के बच्चों को सिनेमा में लॉन्च करते हैं, जिन्हें एक्टिंग का 'ए' भी नहीं आता। उन्होंने आलिया भट्ट और अनन्या पांडे को निशाना बनाकर करण जौहर पर बहुत बार हमला बोला है। आज अभिनेत्री फिल्मों के साथ जनहित के मुद्दों पर बात करती है और मंडी के विकास और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। सांसद बनने के बाद अभिनेत्री लगातार खादी को प्रमोट कर रही हैं और संसद में अपनी ट्रेडिशनल साड़ियों के लिए जानी जाती हैं।

# केजेएस ढिल्लन की किताब 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बनेगी फिल्म

**मुंबई।** बॉलीवुड के राष्ट्रवादी फिल्म निर्देशक विवेक अग्निहोत्री और निर्माता भूषण कुमार मिलकर 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम की फिल्म बना रहे हैं। यह फिल्म पूर्व आर्मी चीफ केजेएस ढिल्लन की किताब ऑपरेशन सिंदूरः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान से प्रेरित है, जिसमें भारत की सीमाओं के भीतर और बाहर हुई महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाइयों का विवरण दिया गया है।

यह फिल्म आतंकवाद और सुरक्षा से जुड़े वास्तविक घटनाक्रमों पर आधारित होगी। विवेक अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया के जरिए इस फिल्म की घोषणा करते हुए बताया कि यह कहानी सिर्फ एक फिल्मी प्रस्तुति नहीं, बल्कि उन सच्चाइयों को सामने लाने का प्रयास है, जिन्हें आमतौर पर व्यापक रूप से नहीं जाना जाता। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उपमहाद्वीप की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वाली घटनाओं पर आधारित है और इसमें उन पहलुओं को दिखाया जाएगा, जिन्होंने भारत की रणनीतिक सोच को नई दिशा दी। निर्देशक के अनुसार, फिल्म की कहानी पहलगाम आतंकी हमले के बाद की परिस्थितियों और उसके जवाब में की गई कार्रवाइयों पर केंद्रित होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए भारतीय सशस्त्र बलों के विभिन्न विभागों के साथ गहन शोध किया गया है, ताकि घटनाओं को यथासंभव तथ्यात्मक और प्रामाणिक तरीके से दर्शाया जा सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिल्म का उद्देश्य सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि सिनेमा के माध्यम से वास्तविक घटनाओं को स्पष्टता और संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करना है। इस फिल्म का निर्माण टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले किया जाएगा। हालांकि, फिल्म की कास्ट, शूटिंग शेड्यूल और रिलीज डेट को लेकर फिलहाल कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। फिल्म को लेकर दर्शकों और फिल्म उद्योग में उत्सुकता बढ़ती जा रही है, खासतौर पर इसलिए क्योंकि यह एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण विषय को छूती है। विवेक अग्निहोत्री इससे पहले भी कई गंभीर और सामाजिक-राजनीतिक विषयों पर आधारित फिल्में बना चुके हैं। उनकी चर्चित फिल्म द कश्मीर फाइल्स ने कश्मीरी पंडितों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था और देशभर में व्यापक चर्चा का विषय बनी थी। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्म द बेंगाल फाइल्स भी सुर्खियों में है, जिसमें पश्चिम बंगाल से जुड़े मुद्दों को दिखाया जाएगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए अग्निहोत्री एक बार फिर वास्तविक घटनाओं को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश कर रहे हैं।

# दिखावे से ज्यादा अहमियत अभिनय को देना चाहिए : सिद्धांत चतुर्वेदी

**मुंबई।** बॉलीवुड अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी का मानना है कि दिखावे से ज्यादा अहमियत अभिनय को दी जानी चाहिए और वही उनकी असली पहचान है। अभिनेता ने साफ कहा कि उन्हें फैशन को लेकर किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। उनके अनुसार, उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम एक अभिनेता बनने के लिए रखा था और अब जब उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला है, तो वही उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने यह भी बताया कि उनका पूरा ध्यान अपने अभिनय कौशल को बेहतर बनाने पर रहता है, न कि बाहरी दिखावे पर। सिद्धांत ने फैशन को लेकर अपनी सोच साझा करते हुए कहा कि वह इसे अलग से करने वाली चीज नहीं मानते। फिल्मों में जो किरदार निभाते हैं, उसी के मुताबिक उन्हें कपड़े पहनने का मौका मिलता है और वही उनका स्टाइल बन जाता है। उनका मानना है कि फैशन को लेकर ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है और न ही 'परफेक्ट' दिखने के दबाव को खुद पर हावी होने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि असली स्टाइल कपड़ों से नहीं, बल्कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी से झलकता है। उनके मुताबिक, जो व्यक्ति सहज और आत्मविश्वासी होता है, वही सबसे ज्यादा स्टाइलिश नजर आता है। सिद्धांत का मानना है कि जब इंसान खुद जैसा रहता है, तो उसका आत्मविश्वास ही उसका सबसे बड़ा 'स्वैग' बन जाता है। फैशन के ट्रेंड्स को लेकर उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति जरूरत से ज्यादा इसके बारे में सोचने लगता है, तो वह दूसरों की नकल करने लगता है। इससे उसकी अपनी पहचान खो सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि फैशन में सबसे जरूरी है खुद को नेचुरल तरीके से पेश करना और अपनी असलियत को बनाए रखना, न कि किसी ट्रेंड के पीछे भागना।

# 17 अप्रैल को रिलीज होगी 'मटका किंग'

**मुंबई।** प्राइम वीडियो ने विजय वर्मा के जन्मदिन पर उनकी आने वाली ओरिजिनल ड्रामा सीरीज 'मटका किंग' की वर्ल्डवाइड प्रीमियर डेट 17 अप्रैल अनाउंस कर दी है। भय कोरन्ने की लिखी और नागराज पोपटराव मंजुले की बनाई और निर्देशित की गई यह सीरीज 1960 के दशक के बदलते बॉम्बे पर आधारित है। यह कहानी एक कॉटन ट्रेडर के इर्द-गिर्द घूमती है जो 'मटका' नाम का एक नया जुआ सिस्टम शुरू करता है और अमीरों के इस शौक को पूरे देश में फैला देता है।इसे सिद्धार्थ रॉय कपूर, नागराज पोपटराव मंजुले, गार्गी कुलकर्णी, अश्विनी सिदवानी और आशीष आर्यन ने 'रॉय कपूर फिल्म्स', 'आटपाट' और 'एसएमआर प्रोडक्शंस' के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।

'मटका किंग' में विजय वर्मा, कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर लीड रोल्स में हैं। इनके साथ ही विनीत कुमार सिंह, भरत जाधव, गिरीश कुलकर्णी, जेमी लीवर, किशोर कदम, साइरस साहूकार, अर्पिता सेठिया, संभाजी तांगड़े, इश्तियाक खान, संजीव जोटांगिया और सिमरन अश्विनी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह सीरीज 17 अप्रैल को भारत और दुनिया के 240 से ज्यादा देशों में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।